राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 09 फरवरी 2026 वर्ष-9,अंक-17 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## पहला कॉलम

### होली पर रेलवे चलाएगा लगभग 1500 ट्रेनें

**नई दिल्ली।** होली का त्योहार नजदीक है और इस त्योहार पर घर लौटने वाले यात्रियों की संख्या हर साल बढ़ जाती है। इसे देखते हुए भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और भीड़ नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए मार्च महीने में 1,410 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाने का ऐलान किया है। ये संख्या मांग बढने पर 1,500 तक बढ़ाई जा सकती है। आपको बता दें कि पिछले साल 2025 में 1,144 स्पेशल ट्रेनें चलाई गई थीं। रेलवे का यह कदम सुनिश्चित करता है कि त्योहार के दौरान यात्रियों को सुगम और सुरक्षित यात्रा मिल सके। स्पेशल ट्रेनों का संचालन न केवल भीड़ को नियंत्रित करेगा, बल्कि प्रमुख शहरों और ग्रामीण इलाकों के बीच कनेक्टिविटी भी मजबूत करेगा। इस बार के अभियान में हर जोन ने यात्रियों की बढ़ती मांग के अनुसार ट्रेन परिचालन में वृद्धि की है। आइए जानते हैं कि किस रूट पर कितनी ट्रेनें चलेंगी।

### मेला हादसे में दो लोग गिरफ्तार

**सूरजकुंड।** सूरजकुंड मेला परिसर में 7 फरवरी को हुए झूला हादसे के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए झूला संचालक कंपनी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हादसे में घायलों को बचाते हुए हरियाणा पुलिस के निरीक्षक जगदीश प्रसाद शहीद हो गए थे। पुलिस के अनुसार थाना सूरजकुंड में हिमाचल प्रदेश की हिमाचल फन केयर कंपनी के प्रोपराइटर मोहम्मद शाकिर के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धारा में मामला दर्ज किया गया है। जांच के दौरान पुलिस ने मोहम्मद शाकिर निवासी गांव टोका नंगला, जिला सिरमौर (हिमाचल प्रदेश) व एक अन्य आरोपी नितेश निवासी धर्मपुरी सदर, मेरठ कैंट (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया है। अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की जांच जारी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त अपराध के पर्यवेक्षण में तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित की गई है। टीम वैज्ञानिक और तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

### ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त, कैप्टन व ट्रेनी घायल

**विजयपुरा।** कर्नाटक के विजयपुरा जिले के बाबलेश्वर तालुक के मंगलूर गांव में रविवार को रेड बर्ड एविएशन का निजी ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में कैप्टन और एक ट्रेनी पायलट सवार थे, दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। यह विमान कलबुर्गी से बेलगावी जा रहा था। उड़ान के दौरान इंजन में अचानक खराबी आ गई, जिससे पायलट कंट्रोल खो बैठे और खेत में क्रैश लैंडिंग हो गई। विमान सीसना 172 मॉडल का दो सीटर ट्रेनिंग प्लेन था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह विमान रेड बर्ड एविएशन कंपनी का था और ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। शुरुआती जांच में हादसे की वजह इंजन की तकनीकी खराबी सामने आई है, लेकिन दुर्घटना के सही कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चलेगा। प्रशासन और पुलिस ने साफ़ किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी जरूरी तकनीकी और कानूनी जांच की जा रही है तथा जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

### सिंधु समझौता सस्पेंड होते ही एक्शन में मोदी सरकार

**चिनाब नदी पर सावलकोट हाइड्रो प्रोजेक्ट को मिली हरी झंडी**

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को सस्पेंड करने के बाद मोदी सरकार ने चिनाब नदी पर बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा प्रोजेक्ट की दिशा में अहम कदम उठाया है। सरकारी कंपनी एनएचपीसी ने जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में सावलकोट हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया है। एनएचपीसी ने चिनाब नदी पर बनने वाले इस सावलकोट हाइड्रो प्रोजेक्ट के लिए 5129 करोड़ रुपये की लागत से जुड़ा टेंडर खोला है। यह पूरा प्रोजेक्ट एक ही पैकेज के तहत तैयार किया जाएगा। टेंडर दस्तावेज के मुताबिक, इस पैकेज में डाइवर्जेंट टनल का निर्माण, एडिट, डीटी और कोफर डैम का निर्माण शामिल है। इसके अलावा मांडिया नाला डीटी, इससे जुड़े सडक़ निर्माण कार्य, राइट बैंक स्पाइरल टनल, एक्सेस टनल और डैम से जुड़े सभी सहायक कार्य भी इसी पैकेज का हिस्सा होंगे। यह प्रोजेक्ट चिनाब नदी पर बिजली उत्पादन के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। एनएचपीसी के टेंडर के अनुसार, इस परियोजना के लिए बोली 12 मार्च से शुरू होगी और 20 मार्च तक चलेगी। बोली की वैधता अवधि 180 दिन रखी गई है। वहीं, निर्माण कार्य को पूरा करने की समयसीमा 3285 दिन तय की गई है। सावलकोट हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से कुल 1856 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। माना जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट जम्मू-कश्मीर की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ देश की पावर ग्रिड को भी मजबूत करेगा। सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच इस प्रोजेक्ट को भारत की रणनीतिक और आर्थिक मजबूती के तौर पर देखा जा रहा है। चिनाब नदी पर यह परियोजना भारत के जल संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

## उत्तराखंड में जहां गिरती थी बर्फ वहां जंगल में फैली है आग, 1900 फायर अलर्ट

**-जलवायु परिवर्तन के चलते शीतकालीन बारिश और बर्फबारी में भारी कमी आई**

**पिथौरागढ़।**

उत्तराखंड में जंगल धधकते नजर आए। हालात इतने बिगड़ गए है कि नवंबर से जनवरी के बीच प्रदेश में 1900 से ज्यादा जंगल फॉरेस्ट फायर अलर्ट जारी हुए, जो देश में सबसे ज्यादा हैं। इस दौरान फूलों की घाटी से लेकर नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान तक जलते दिखे। पिछले दो दशकों में बदले मौसम चक्र ने उत्तराखंड के जंगलों को नई चुनौती में डाल दिया है। शीतकाल में सूखे जैसे हालात, बढ़ता तापमान और मानवीय लापरवाही ने आग की घटनाओं को सामान्य बना दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वन विभाग के लिए यह संकट इसलिए भी गंभीर है क्योंकि पारंपरिक फायर सीजन शुरू होने से पहले ही फायर वॉचर समेत जरूरी संसाधन झोंकने पड़ रहे हैं। वन विभाग का आधिकारिक फायर सीजन 15 फरवरी से 15 जून तक होता है। पहले मार्च-अप्रैल के बाद ही जंगल सुलगते थे, लेकिन अब नवंबर से ही आग बुझाने की नौबत आने लगी है। ज्यादातर आग सड़क किनारे फेंकी गई माचिस, बीड़ी-सिगरेट या जानबूझकर लगाई गई आग से फैलती है। कंट्रोल बर्निंग में वन विभाग पहले ही सूखी घास, पिरूल और पत्तियां जला देता है, ताकि फायर लाइन बन सके और आग आगे न बढ़े।

जलवायु परिवर्तन के चलते शीतकालीन बारिश और बर्फबारी में भारी कमी आई है। 2012, 2016, 2018 और 2021-23 के बाद 2025 के नवंबर-दिसंबर भी पूरी तरह सूखे रहे। नतीजतन, नवंबर 2025 से ही वनाग्नि की घटनाएं शुरू हो गईं। सैटेलाइट जंगल के ऊपर नजर रखते हैं। जहां तापमान अचानक बढ़ा या धुआं दिखा, वहां तुरंत चेतावनी भेजी जाती है ताकि आग फैलने से पहले कार्रवाई हो सके। इस बार आग ने दुर्गम और सुरक्षित क्षेत्रों को भी नहीं बख्शा। जनवरी 2026 में नंदा देवी नेशनल पार्क की फूलों की घाटी और गोविंद घाट रेंज के जंगल करीब एक सप्ताह तक जलते रहे। खड़ी चट्टानें और दुर्गम इलाका होने के कारण वन कर्मियों को आग बुझाने में भारी परेशानी उठानी पड़ी। वहीं, पिथौरागढ़ के नैनीसैनी और जमतड़ी गांव के जंगलों में आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड और एसएसबी के जवानों को मोर्चा संभालना पड़ा।

पंचाचूली क्षेत्र कस्तूरी मृग का निवास स्थान है। स्थानीय जानकारों का मानना है कि जब बर्फबारी न होने से वन्य जीव निचले इलाकों की ओर आते हैं, तो शिकारी उन्हें फंसाने के लिए झाड़ियों में आग लगा देते हैं। पिथौरागढ़ के डीएफओ आशुतोष सिंह का कहना है कि शिकारियों के पुख्ता सबूत तो नहीं मिले हैं, लेकिन

रिजर्व फॉरेस्ट में निगरानी बढ़ा दी गई है। वन्य जीव शिकार पर 7 साल तक की सजा का प्रावधान है। पद्मश्री डॉ. शेखर पाठक के मुताबिक समय पर बारिश न होना और बढ़ता तापमान मानव जनित कारणों से भी है। वनों की आग केवल पेड़ों को ही नहीं जलाती, बल्कि पारिस्थितिक तंत्र और मानव स्वास्थ्य को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रही है। 23-24 जनवरी की बारिश ने कुछ राहत जरूर दी है, लेकिन यदि दोबारा लंबा सूखा पड़ा तो खतरा फिर बढ़ सकता है।

## मलेशिया में पीएम मोदी ने कहा- आंतक पर कोई दोहरा मापदंड नहीं और कोई समझौता नहीं

**कुआलालंपुर।**

भारत और मलेशिया के बीच सदियों पुराने संबंधों को समकालीन वैश्विक संदर्भ में नई दिशा देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दो दिवसीय मलेशिया यात्रा के दौरान द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक रोडमैप को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी की वर्ष 2026 की यह पहली विदेश यात्रा है, जो इस क्षेत्र में भारत की प्राथमिकता और मलेशिया के साथ बढ़ते रणनीतिक महत्व को दर्शाती है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ आयोजित एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल बैठक के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत और मलेशिया की सभ्यताएं न केवल सांस्कृतिक विरासत से, बल्कि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों से भी मजबूती से जुड़ी हुई हैं।

दोनों देशों के बीच पिछले कुछ वर्षों में संबंधों की गहराई का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, विनिर्माण, डिजिटल अर्थव्यवस्था और बायोटेक जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हो रही प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। रक्षा और सुरक्षा के मोर्चे पर, आतंकवाद के खिलाफ भारत के सख्त रुख को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक शांति के लिए आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनानी होगी। इसके तहत खुफिया जानकारी साझा करने, समुद्री सुरक्षा और काउंटर-टेररिज्म में सहयोग को और अधिक विस्तार दिया जाएगा। आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर और स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों में भी दोनों देश मिलकर काम करेंगे, जिससे दक्षिण-पूर्व एशिया में एक नया तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो सके।

आर्थिक मोर्चे पर, प्रधानमंत्री ने सीईओ फोरम के माध्यम से उभर रहे निवेश के अवसरों को भारत-मलेशिया रणनीतिक बदलाव की धुरी बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आसियान- भारत वस्तु व्यापार समझौते की समीक्षा को जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए, ताकि व्यापारिक बाधाएं दूर हों और आर्थिक लाभ जन-जन तक पहुंच सके। इसके अतिरिक्त, मलेशिया में भारत का एक नया वाणिज्य दूतावास (कांसुलेट) खोलने का निर्णय दोनों देशों के बढ़ते संबंधों को प्रशासनिक मजबूती प्रदान करेगा। इस यात्रा का सबसे भावुक और महत्वपूर्ण पहलू भारतीय मूल के लगभग 30 लाख प्रवासियों का उल्लेख रहा। प्रधानमंत्री ने उन्हें एक जीवंत सेतु (लिविंग ब्रिज) करार देते हुए कहा कि मलेशिया, भारतीय मूल की आबादी वाला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है।

## 30 साल बाद मिला इंसाफ, पर जीवन नहीं बचा: रु. 20 की रिश्वत के आरोप से बरी पुलिसकर्मी की फैसले के बाद मौत

**अहमदाबाद।**

न्याय में देरी कितनी पीड़ादायक हो सकती है, इसका मार्मिक उदाहरण अहमदाबाद में सामने आया है। वर्ष 1996 में मात्र रु. 20 की रिश्वत लेने के आरोप में फंसे पुलिस कांस्टेबल बाबुभाई प्रजापति को 30 वर्षों की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार गुजरात हाईकोर्ट ने निर्दोष करार दिया। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस दिन उनके सिर से 'भ्रष्टाचारी' का कलंक उतरा, उसी के कुछ ही घंटों बाद उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। 4 फरवरी को हाईकोर्ट के फैसले के बाद बाबुभाई अपने वकील नितिन गांधी के कार्यालय पहुंचे थे। वहां वे बेहद भावुक हो गए।

कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड बातचीत के अनुसार बाबुभाई ने अपने वकील से कहा, 'मेरे जीवन से कलंक मिट गया है, अब मैं सिर्फ मुक्ति चाहता हूं।' वकील ने उन्हें समझाया कि अब वे रुके हुए सरकारी लाभ और अन्य प्रक्रियाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं, लेकिन बाबुभाई मानसिक रूप से एक गहरी शांति महसूस कर रहे थे। घर लौटने के अगले ही दिन उनका प्राकृतिक निधन हो गया। इस पूरे मामले की समयरेखा न्याय व्यवस्था की धीमी गति पर गंभीर सवाल खड़े करती है। वर्ष 1996 में बाबुभाई पर रु. 20 की रिश्वत लेने का आरोप लगा। 2004 में सेशंस कोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराते हुए चार साल की जेल और रु. 3000 के जुर्माने की सजा सुनाई। इस फैसले को बाबुभाई ने हाईकोर्ट में चुनौती दी, जहां उनकी अपील वर्षों तक लंबित रही।

## केंद्र सरकार ने 11 साल बाद बढ़ाई सरकारी वकीलों की फीस, मंत्रालय जारी कर चुका है अधिसूचना

**नई दिल्ली।**

केंद्र सरकार ने अदालतों में सरकार की ओर से पैरवी करने वाले वकीलों को बड़ी राहत देते हुए उनकी फीस में बढ़ोतरी कर दी है। लगभग 11 साल बाद यह संशोधन किया गया है। केंद्रीय कानून मंत्रालय ने 5 फरवरी को इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी है, जिसके तहत विभिन्न श्रेणियों के सरकारी वकीलों को अब पहले की तुलना में काफी अधिक पारिश्रमिक मिलेगा।

अधिसूचना के अनुसार, नियमित अपील और अंतिम सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पेश होने वाले 'ए' श्रेणी के वकीलों को अब प्रति मामले में प्रति दिन 21,600 रुपये का भुगतान किया जाएगा। वहीं 'बी' और 'सी' श्रेणी के वकीलों को 14,400 रुपये प्रति दिन मिलेंगे। इससे पहले 'ए' श्रेणी के वकीलों को 13,500 रुपये और 'बी' व 'सी' श्रेणी के वकीलों को 9,000 रुपये प्रति दिन फीस मिलती थी। सरकारी वकीलों की फीस में यह संशोधन अक्टूबर 2015 के बाद पहली बार किया गया है। कानून मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह बढ़ोतरी केवल नियमित अपील और अंतिम सुनवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्य प्रकार के मामलों, विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों के साथ बैठकों (कॉन्फ्रेंस) और सलाह-मशविरा करने की फीस में भी संशोधन किया गया है। इसके अलावा, दिल्ली और राज्यों की राजधानियों में पेश होने वाले वकीलों की फीस में भी बढ़ोतरी की गई है।

कानून मंत्रालय से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है, कि महंगाई, कानूनी पेशे से जुड़े बढ़ते खर्च और योग्य पेशेवरों को बनाए रखने की जरूरत को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। अधिकारी के अनुसार, लंबे समय से सरकारी वकीलों की ओर से फीस बढ़ाने की मांग की जा रही थी, जिसे अब पूरा किया गया है।

पूर्व केंद्रीय विधि सचिव और वर्तमान में विधि आयोग की सदस्य सचिव अंजू राठी राणा ने इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि केंद्र सरकार के वकीलों के लिए फीस संशोधन की अधिसूचना अब लागू हो गई है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान इस संबंध में निर्णय लिया गया था और यह एक दशक से अधिक समय से लंबित मामला था।

**अपने पद छोड़ने पर बोले भागवत**

## संघ पद छोड़ने को कहेगा.....मैं तुरंत छोड़ दूंगा,

**सावरकर को भारत रत्न पुरस्कार देने से इसकी प्रतिष्ठा और बढ़ जाएगी**

**मुंबई।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में आरएसएस के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में कई मामलों पर अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने इस दौरान संघ का पद छोड़ने के सवाल का भी जवाब दिया। संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि संघ ने उन्हें उनकी उम्र के बावजूद काम जारी रखने को कहा है। लेकिन अगर संघ उनसे पद छोड़ने को कहता हैं.....तब मैं तुरंत छोड़ दूंगा।

उन्होंने कहा कि आरएसएस का काम प्रचार करना नहीं बल्कि समाज में संस्कार को तैयार करना है। जरूरत से ज्यादा प्रचार से दिखावा और फिर अहंकार आ जाता है। जबकि प्रचार बारिश की तरह होना चाहिए। सही समय पर और सीमित मात्रा में होना चाहिए। संघ अपने स्वयंसेवकों से आखिरी बूंद तक काम लेता है। संघ के इतिहास में अब तक ऐसी कोई स्थिति नहीं आई, जब किसी को जबरन रिटायर किया गया हो। दरअसल कहा जाता है कि संघ में आमतौर पर 75 साल की उम्र के बाद किसी पद पर नहीं रहने की परंपरा है। भागवत ने कहा कि संघ का नेतृत्व करने वाला शख्स हमेशा हिंदू ही होगा, फिर चाहे उसकी जाति कुछ भी क्यों ना होग। सरसंघचालक बनने के लिए क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र या ब्राह्मण होना कोई योग्यता नहीं है, जो हिंदू संगठन के लिए काम करता है। वहीं सरसंघचालक बनता है।

आरएसएस का यह शीर्ष पद बेहतर से बेहतर योग्य उम्मीदवार को ही मिलता है। भागवत ने कहा कि संघ प्रमुख पद के लिए कोई चुनाव नहीं होता। क्षेत्रीय और संभागीय प्रमुख ही नियुक्ति करते हैं। आमतौर पर कहा जाता है कि 75 साल की उम्र के बाद बिना किसी पद के काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं 75 साल का हो गया हूं और आरएसएस को इसका पता है लेकिन संगठन ने मुझे पद पर रहकर काम जारी रखने को कहा है। जब भी आरएसएस पद छोड़ने को कहेगा, मैं पद छोड़ दूंगा लेकिन काम से रिटायरमेंट नहीं लूंगा।

## सॉवरेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल स्ट्रैटेजी नतीजे दे रही: वैष्णव

**-सर्वम एआई को स्वदेशी फाउंडेशनल मॉडल बनाने किया शॉर्टलिस्ट**

**नई दिल्ली।**

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि सॉवरेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल स्ट्रैटेजी नतीजे दे रही है। इस दौरान उन्होंने घरेलू स्टार्टअप सर्वम एआई द्वारा जारी किए गए एक एडवांस्ड मॉडल की तारीफ की। पिछले साल इस स्टार्टअप को देश का पहला एआई फाउंडेशनल मॉडल बनाने के लिए चुना गया था। 67 प्रपोजल में से सर्वम एआई को भारत का पहला स्वदेशी फाउंडेशनल मॉडल बनाने के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था।

मंत्री वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हमारे एआई मिशन के हिस्से के रूप में सर्वम द्वारा जारी किए गए टेक्नोलॉजी में एडवांस्ड मॉडल की सबसे ज्यादा आलोचना करने वाले लोग भी तारीफ कर रहे हैं। हमारे स्मार्ट युवा इंजीनियर मटेरियल साइंस, हेल्थकेयर और साइबर सिक्योरिटी में ऐसे इनोवेशन पर काम कर रहे हैं, जिन्हें दुनिया पाथब्रेकिंग मॉडल के तौर पर देखेगी। सर्वम एआई ने भारतीय भाषाओं के लिए सबसे अच्छे टेक्स्ट-टू-स्पीच, स्पीच-टू-टेक्स्ट और ओसीआर मॉडल बनाए हैं। पिछले साल दिसंबर में सर्वम एआई के को-फाउंडर प्रत्युष कुमार ने इंडियाएआई मिशन के तहत मल्टीलिंगुअल एआई सिस्टम दिखाए, जिसमें भारतीय भाषाओं के लिए भारत का पहला सॉवरेन फाउंडेशनल लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) भी शामिल था।

भारत के एआई इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने 2024 में 10,300 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ इंडिया एआई मिशन को मंजूरी दी। अगले पांच सालों में मिलने वाली यह फंडिंग इंडियाएआई मिशन के अलग-अलग हिस्सों को बढ़ावा देने में मदद करेगी। पिछले महीने पीएम मोदी ने स्टार्टअप्स से सामाजिक भलाई के लिए एआई का इस्तेमाल करने का आग्रह किया था। पीएम मोदी ने बताया था कि भारत 16 से 20 फरवरी तक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेज़बानी करेगा, जिसके ज़रिए देश टेक्नोलॉजी सेक्टर में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भारतीय एआई मॉडल अलग होने चाहिए और उन्हें स्थानीय और स्वदेशी कंटेंट और क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# बोफोर्स से ट्रेड डील तक का सफ़र

(लेखक - कांतिलाल मांडोत )

संसद के उच्च सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक घंटे अड़तीस मिनट का भाषण केवल एक राजनीतिक जवाब नहीं था, बल्कि वह पिछले सात दशकों की राजनीतिक संस्कृति और बीते ग्यारह वर्षों में बदले भारत के आत्मविश्वास का आईना था। विपक्ष के शोर, नारेबाज़ी और वॉकआउट के बीच दिया गया यह उद्बोधन इस सवाल को फिर से केंद्र में ले आया कि देश आज किस दिशा में खड़ा है और कौन-सी सोच उसे आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री का 卐बोफोर्स डील से ट्रेड डील तक卐 का कथन दरअसल एक पूरे युगांतरण का प्रतीक है, जिसमें भारत ने घोटालों, नीतिगत जड़ता और वैश्विक अविश्वास के दौर से निकलकर आत्मनिर्भरता, वैश्विक साझेदारी और आर्थिक महत्वाकांक्षा की राह पकड़ी है।

कांग्रेस की राजनीति लंबे समय से सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानती रही है। आज़ादी के बाद दशकों तक केंद्र और अनेक राज्यों में शासन करने के बावजूद कांग्रेस देश को वह निर्णायक नेतृत्व नहीं दे पाई, जिसकी ज़रूरत थी। बोफोर्स घोटाला केवल एक रक्षा सौदे का मामला नहीं था, बल्कि वह उस मानसिकता का प्रतीक था जिसमें सत्ता, परिवार और हितों की गठजोड़ ने राष्ट्रीय हितों को पीछे छोड़ दिया। उसी दौर में भारत वैश्विक मंच पर एक ऐसा देश था, जिससे समझौते करने में दुनिया हिचकती थी और जिसकी अर्थव्यवस्था सहायता और कर्ज़ पर टिकी मानी जाती थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में ठीक ही कहा कि कांग्रेस, टीएमसी या डीएमके जैसी पार्टियां दशकों तक सत्ता में रहीं, फिर भी देश उन्हें किस उपलब्धि से याद करता है, यह प्रश्न आज भी अनुत्तरित है। इसके उलट, बीते ग्यारह वर्षों में भारत की तस्वीर बदली है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ चुका है, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उसकी भूमिका मज़बूत हुई है और बड़े-बड़े देश भारत के साथ व्यापार समझौतों के लिए उत्सुक हैं। यूरोपीय यूनियन से लेकर अमेरिका तक के साथ हो रही ट्रेड डील्स इस बदले हुए भरोसे का प्रमाण हैं।

कांग्रेस की समस्या केवल नीतियों तक सीमित नहीं है, उसकी भाषा और संस्कार भी सवालों के घेरे में हैं। 卐मोदी तेरी कब्र खुदेगी卐 जैसे नारे न केवल राजनीतिक असहमति की मर्यादा को तोड़ते हैं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी अपमान करते हैं। प्रधानमंत्री ने सही पूछा कि यह कैसी 卐मोहब्बत की दुकान卐 है, जिसमें किसी निर्वाचित प्रधानमंत्री की कब्र खोदने की बात की जाती है। यह भाषा बताती है कि कांग्रेस आज भी नकारात्मकता और व्यक्तिगत द्वेष की राजनीति में उलझी हुई है, जबकि देश सकारात्मक एजेंडे और भविष्य की बात करना चाहता है।

कांग्रेस के 'युवराज' द्वारा एक सिख सांसद को गद्दार कहने का उल्लेख भी इसी मानसिकता की ओर इशारा करता है। यह केवल एक व्यक्ति पर टिप्पणी नहीं, बल्कि पूरे सिख समुदाय और उनके गुरुओं का अपमान है। जिस पार्टी ने लंबे समय तक खुद को समावेशिता और सेक्युलरिज्म का ठेकेदार बताया, वही आज पहचान की राजनीति और विभाजनकारी बयानबाज़ी में फंसी दिखती है। प्रधानमंत्री का यह कहना कि यह सिखों और गुरुओं का अपमान है, केवल राजनीतिक आरोप नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी भी है। विकसित भारत की कल्पना करने वाली सरकार और कांग्रेस की सोच में मूलभूत अंतर है। मोदी सरकार मानती है कि 140 करोड़ भारतीय समस्याएं नहीं, बल्कि संभावनाएं हैं। इसके विपरीत, नेहरू-इंदिरा काल की वह सोच थी जिसमें जनसंख्या को समस्या के रूप में देखा जाता था। यह दृष्टिकोण ही नीति निर्माण को दिशा देता है। जब नेतृत्व जनता पर भरोसा करता है, तो परिणाम जनभागीदारी, स्टार्टअप संस्कृति, डिजिटल क्रांति और बुनियादी ढांचे के तेज़ विकास के रूप में सामने आते हैं।

अनुच्छेद 370 का हटाया जाना भी इसी निर्णायक नेतृत्व का उदाहरण है। दशकों तक जिसे असंभव बताया गया, उसे राजनीतिक इच्छाशक्ति ने संभव कर दिखाया। यह केवल एक संवैधानिक कदम नहीं था, बल्कि यह संदेश था कि भारत अब साहसिक फैसलों से नहीं हिचकता। कांग्रेस इसे आज भी अपने पुराने चश्मे से देखती है, क्योंकि वह बदलाव की राजनीति को स्वीकार नहीं कर पाई है। ट्रेड डील के संदर्भ में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत-अमेरिका संबंध एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं। आयात शुल्क में कटौती, संयुक्त बयान और संभावित हस्ताक्षर केवल आर्थिक आंकड़े नहीं हैं, बल्कि यह उस भरोसे का संकेत हैं जो दुनिया आज भारत पर कर रही है। कभी जिस भारत को समझौतों की मेज़ पर जगह पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता था, आज वही भारत शर्तें तय करने की स्थिति में है।

कांग्रेस की विडंबना यह है कि वह इस बदलाव को स्वीकार करने के बजाय उसे नकारने में ऊर्जा खर्च कर रही है। प्रधानमंत्री की कुर्सी को अपनी जागीर मानने वाली मानसिकता आज भी उसे परेशान करती है। उसे यह सवाल कचोटता है कि एक साधारण पृष्ठभूमि से आया व्यक्ति देश का नेतृत्व कैसे कर सकता है। यही असहजता उसकी बयानबाज़ी में झलकती है, चाहे वह 卐कब्र卐 जैसे शब्द हों या व्यक्तिगत आरोप।

आज का भारत भावनाओं से नहीं, तथ्यों और परिणामों से बात करता है। ग्यारह वर्षों में सड़कों, रेल, डिजिटल भुगतान, रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष और कूटनीति में जो बदलाव आए हैं, वे किसी प्रचार का नहीं, बल्कि नीतिगत निरंतरता और कर्मनिष्ठा का परिणाम हैं। प्रधानमंत्री मोदी का विश्वसत्ता की ओर भारत को ले जाने का लक्ष्य केवल सपना नहीं, बल्कि स्पष्ट रोडमैप पर आधारित है।

अंततः यह बहस केवल मोदी बनाम कांग्रेस की नहीं है, बल्कि पुरानी और नई सोच की है। एक ओर वह राजनीति है जो अतीत के घोटालों, परिवारवाद और नकारात्मक नारों से बाहर नहीं निकल पा रही, और दूसरी ओर वह नेतृत्व है जो आत्मविश्वास, सत्यनिष्ठा और परिश्रम के बल पर भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाना चाहता है। बोफोर्स से ट्रेड डील तक का यह सफ़र बताता है कि देश ने रास्ता चुन लिया है। अब सवाल यह है कि कांग्रेस कब अपने भीतर झांककर यह समझेगी कि भारत बदल चुका है, और राजनीति को भी बदलना होगा।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

**अनुच्छेद 370 का हटाया जाना भी इसी निर्णायक नेतृत्व का उदाहरण है। दशकों तक जिसे असंभव बताया गया, उसे राजनीतिक इच्छाशक्ति ने संभव कर दिखाया। यह केवल एक संवैधानिक कदम नहीं था, बल्कि यह संदेश था कि भारत अब साहसिक फैसलों से नहीं हिचकता। कांग्रेस इसे आज भी अपने पुराने चश्मे से देखती है, क्योंकि वह बदलाव की राजनीति को स्वीकार नहीं कर पाई है। ट्रेड डील के संदर्भ में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत-अमेरिका संबंध एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं।**

संपादकीय

## गड्ढों में गिरी व्यवस्था, मौतों के बाद भी नहीं चेत रहा प्रशासन

नोएडा और दिल्ली में खुले गड्ढों में गिरकर हुई मौतों ने प्रशासनिक लापरवाही को उजागर किया है। लेख बताता है कि ऐसी घटनाओं के बावजूद अधिकारी सबक नहीं सीख रहे, जिससे अनावश्यक मौतें हो रही हैं। बैरिकेडिंग और चेतावनी बोर्ड की कमी, साथ ही केवल निलंबन जैसी सतही कार्रवाई, व्यवस्था की विफलता को दर्शाती है। इसे दुर्घटना नहीं, बल्कि 'हत्यारी लापरवाही' बताया गया है, जहां जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं होती। नोएडा में एक कार सवार इंजीनियर की गड्ढे में गिरने से मौत का मामला अभी शांत नहीं हुआ था कि दिल्ली में भी एक बाइक सवार युवक की गड्ढे में गिरकर मौत हो गई। यह गड्ढा दिल्ली जल बोर्ड की ओर से खोदा गया था। नोएडा की तरह दिल्ली के इस गड्ढे के पास भी न तो कोई बैरीकेडिंग थी और न ही किसी तरह का चेतावनी बोर्ड। इसका मतलब है कि नोएडा की घटना के बाद भी उससे सटी दिल्ली में कोई सबक नहीं सीखा गया। दिल्ली की घटना पर नोएडा की तरह कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है और मामले की जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। कुछ भी किया जाए, काल के गाल में समा गए युवक की जिंदगी लौटने वाली नहीं। इस युवक की मौत को हादसा कहना घटना की गंभीरता को कम करना होगा। यह हादसा नहीं, एक हत्यारी लापरवाही है। नोएडा और दिल्ली जैसी घटनाएं अपवाद नहीं हैं। अपने देश में ऐसी घटनाएं रह-रहकर घटती ही रहती हैं। लोग सड़क किनारे खोदे गए गड्ढों या फिर टूटी सड़कों में गिरकर मरते ही रहते हैं। बहुत सी जानलेवा घटनाएं इसलिए होती हैं कि जोखिम भरे स्थान अंधेरे में डूबे होते हैं और वहां लोगों को सावधान करने वाले कोई संकेत भी नहीं होते। जब देश की राजधानी और उससे लगे क्षेत्रों में यह हाल है, तब फिर दूर-दराज के शहरों में कितनी चौकसी बरती जाती होगी, इसका अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। बड़े शहरों में तो व्यवस्था के नाकारापन और संवेदनहीनता से होने वाली मौतें फिर भी चर्चा में आ जाती हैं और दिखावटी ही सही, कोई कार्रवाई भी हो जाती है, लेकिन छोटे शहरों में किसी के कान पर जूं भी नहीं रेंगती। अपने यहां सड़क, बिजली, पानी उपलब्ध कराने और मार्ग प्रकाश, यातायात आदि की देखभाल करने वाली एजेंसियों की लापरवाही के कारण प्रति वर्ष न जाने कितने लोग जान गंवाते हैं। आम तौर पर ऐसी मौतों को दुर्घटना करार दिया जाता है और जो लोग अपने स्वजन खोते हैं, वे उसे विधि का विधान मान लेते हैं, लेकिन सच यह है कि नोएडा और दिल्ली सरीखी जानलेवा घटनाएं इसलिए होती रहती हैं, क्योंकि लोगों की मौतों के लिए जवाबदेह कर्मचारी और अधिकारी कभी कठोर दंड के भागीदार नहीं बनते। वे अधिक से अधिक निलंबित होते हैं। सब जानते हैं कि निलंबन कोई सजा नहीं होती और बर्खास्तगी जैसी कठोर कार्रवाई कठिनाई से ही होती है। जिम्मेदार विभागों पर भारी भरकम जुर्माना भी नहीं लगाया जाता। इसी कारण कोई चेतता नहीं। नतीजा यह है कि घटिया, बेतरतीब और समय खपाऊ निर्माण होता रहता है, जो प्रायः जोखिम को निमंत्रण देता है। यह शर्मनाक स्थिति केवल विकसित भारत के नारे को मुंह ही नहीं चिढ़ाती, बल्कि शासन-प्रशासन के गड्ढों में धंसे होने को भी बयान करती है।

# चॉकलेट मीठा खाना कुछ गजब स्वाद है

(लेखक - संजय गोस्वामी )

राष्ट्रीय चॉकलेट दिवस - 9 फरवरी, 2026 पर विशेष)

अच्छा है चॉकलेट खाना जो मीठा है कुछ गजब स्वाद है

भारत में चॉकलेट दिवस हर साल 9 फरवरी को भारत में वैलेंटाइन वीक समारोह के हिस्से के रूप में मनाया जाता है। इस दिन, प्रेमी एक-दूसरे को चॉकलेट उपहार में देते हैं और आशा करते हैं कि उनका रिश्ता हमेशा मीठा बना रहे। चॉकलेट सबसे पसंदीदा व्यंजनों में से एक है। इसने अटूट लोकप्रियता हासिल की है। चॉकलेट को पेय के रूप में, खाने योग्य बार के रूप में, डेज़र्ट में, या यहाँ तक कि फ्लेवरिंग के रूप में भी खाया जा सकता है। चॉकलेट बच्चों और वयस्कों दोनों के बीच पसंदीदा है। चॉकलेट दिवस साल भर किसी न किसी रूप में मनाया जाता है, लेकिन यह दिन प्रेमियों के बीच उपहार के रूप में चॉकलेट के उपयोग का उत्सव है। चॉकलेट के सेवन का इतिहास लगभग 2,500 साल पुराना है। एज़्टेक लोगों ने हाल ही में तरल चॉकलेट की खोज की थी और उनका मानना था कि ज्ञान के देवता, क्रेट्ज़ालकोटल ने उन्हें इसका आशीर्वाद दिया था। कोको के बीज इतने मूल्यवान माने जाते थे कि उन्हें मुद्रा के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था। उन दिनों, चॉकलेट में फ्लेवरिंग कम थे और इसे एक कड़वे पेय के रूप में सेवन किया जाता था। वास्तव में 16वीं सदी तक चॉकलेट चीनी-मुक्त होती थी, जब यूरोपीय लोगों ने इसमें चीनी मिलाना शुरू किया। इससे चॉकलेट अधिक स्वादिष्ट हो गई और बाजारों में जल्दी लोकप्रिय हो गई। यह कई घरों की पसंदीदा चीज़ों में से एक बन गई। आज की कई लोकप्रिय चॉकलेट कंपनियों ने 19वीं और 20वीं सदी की शुरुआत में अपना परिचालन शुरू किया। कैडबरी की स्थापना 1868 में इंग्लैंड में हुई थी और आज यह अग्रणी चॉकलेट ब्रांडों में से एक है। 25 साल बाद मिल्टन एस हर्शे ने हर्शे की शुरुआत की जो अब दुनिया के सबसे बड़े और सबसे प्रसिद्ध चॉकलेट ब्रांडों में से एक है। नेस्ले ने 1860 के दशक में अपना परिचालन शुरू किया और दुनिया के सबसे बड़े खाद्य समूहों में से एक बन गया है। जो एक पेय के रूप में शुरू हुआ था, उसने मुद्रा का रूप ले लिया और आज यह सबसे बड़े उद्योगों में से एक बन गया है जो न केवल आय उत्पन्न करता है और दुनिया भर में लाखों लोगों को रोजगार देता है, बल्कि ऐसे खाद्य पदार्थ भी बनाता है जो हममें से बहुत से लोगों को पसंद हैं! चॉकलेट दिवस इस खाद्य सामग्री की अविश्वसनीय बहुमुखी प्रतिभा का भी जश्न मनाता है। चॉकलेट दिवस पर प्रेमी एक-दूसरे को प्यार के प्रतीक के रूप में दिल के आकार की चॉकलेट देते हैं। अपने प्रियजनों को चॉकलेट गिफ्ट करने से सारे तनाव और दुख दूर हो जाते हैं और रिश्ते में मिठास बढ़ती है। फरवरी की छुट्टियाँ चॉकलेट डे का इतिहास चॉकलेट खाने का इतिहास लगभग 2,500 साल पुराना है। एज़्टेक लोगों ने हाल ही में लिक्विड चॉकलेट की खोज की थी और उनका मानना था कि ज्ञान के देवता, क्रेट्ज़ालकोटल ने उन्हें यह आशीर्वाद दिया था। कोको के बीज इतने कीमती माने जाते थे कि उन्हें मुद्रा के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था। उन दिनों, चॉकलेट में फ्लेवरिंग कम होती थी और इसे एक कड़वे पेय के रूप में पिया जाता था। 16वीं सदी तक चॉकलेट असल में बिना चीनी के होती थी, जब यूरोपियनों ने इसमें चीनी मिलाना शुरू किया। इससे चॉकलेट ज़्यादा स्वादिष्ट हो गई और जल्दी ही बाज़ारों में लोकप्रिय हो गई। यह कई घरों की पसंदीदा चीज़ बन गई। आज की कई लोकप्रिय चॉकलेट कंपनियों ने 19वीं और 20वीं सदी की शुरुआत में अपना काम शुरू किया। कैडबरी की स्थापना 1868 में इंग्लैंड में हुई थी और आज यह प्रमुख चॉकलेट ब्रांडों में से एक है। 25 साल बाद मिल्टन एस हर्शे ने हर्शे की शुरुआत की जो अब दुनिया के सबसे बड़े और जाने-माने चॉकलेट ब्रांडों में से एक है। नेस्ले ने 1860 के दशक में अपना काम शुरू किया और दुनिया के सबसे बड़े फूड ग्रुप में से एक बन गया है। जो एक पेय के रूप में शुरू हुआ था, वह एक मुद्रा का रूप ले लिया और आज यह सबसे बड़े उद्योगों में से एक बन गया है जो न केवल दुनिया भर में लाखों लोगों को आय और रोज़गार देता है, बल्कि ऐसे खाद्य पदार्थ भी बनाता है जिन्हें हममें से बहुत से लोग पसंद करते हैं! चॉकलेट डे इस खाद्य सामग्री की अविश्वसनीय बहुमुखी प्रतिभा का भी जश्न मनाता है।नियमित रूप से डार्क चॉकलेट खाने से व्यक्ति को हृदय रोग विकसित होने की संभावना कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें कुछ यौगिक,विशेष रूप से फ्लेवेनॉल,हृदय रोग के लिए दो प्रमुख जोखिम कारकों को प्रभावित करते हैं- हाई ब्लड प्रेशर और हाई कोलेस्ट्रॉल। कुछ रिसर्च से पता चलता है कि हृदय रोग के जोखिम को कम करने के साथ ही इंफ्लेमेशन और इंसुलिन रेजिस्टेंस को कम करने, गट माइक्रोबायोम की विविधता को बढ़ाने और ब्रेन फंक्शन में सुधार करने में मदद कर सकती है। हाई कोलेस्ट्रॉल से करता है बचाव हाई कोलेस्ट्रॉल से करता है बचाव डार्क चॉकलेट का सेवन हाई कोलेस्ट्रॉल से बचा सकता है। एक अध्ययन में पाया गया कि डार्क चॉकलेट के सेवन से खराब कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर में कमी आती है। कैंसर कैंसर डार्क चॉकलेट में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करते हैं। इससे कैंसर और सूजन जैसी कई बीमारियों से बचने में मदद मिलती है। ब्रेन के लिए फायदेमंद ब्रेन के लिए फायदेमंद डार्क चॉकलेट आपके ब्रेन हेल्थ को भी बूस्ट करती है। इसमें मौजूद तत्व तनाव पैदा करने वाले कॉर्टिसोल हार्मोन को नियंत्रित करते हैं। इससे स्ट्रेस से बचने और डिप्रेशन से जुड़े लक्षणों को कम करने में मदद मिलती है। स्किन के लिए फायदेमंद स्किन के लिए फायदेमंद डार्क चॉकलेट खाने या इसका फ़ेस पैक लगाने से त्वचा में ग्लो आता है और त्वचा स्वस्थ और यंग रहती है। मूड को बनाती है बेहतर मूड को बनाती है बेहतर डार्क चॉकलेट खाने से मूड पर भी पॉजिटिव असर पड़ता है। डार्क चॉकलेट में मौजूद एंडोर्फिन और सेरोटोनिन जैसे केमिकल मूड को बेहतर बनाने का काम करते हैं। डिस्क्लेमर- यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# समय का चक्र

चिंतन मनन

जब तुम्हें लगता है कि समय बहुत कम है, तुम या तो बेचैन होते हो या अत्यन्त सजगता की अवस्था में होते हो। दुखी या उत्सुक होने पर तुम्हें समय बहुत लम्बा लगता है। जब तुम प्रसन्न हो और जो कुछ कर रहे हो, उसमें आनंद आ रहा है, तब तुम्हें समय का आभास नहीं होता। इसी प्रकार, नींद में भी तुम्हें समय का आभास नहीं होता। जब तुम समय से आगे हो, समय कटता ही नहीं और नीरसता अनुभव होती है। जब समय तुम्हारे आगे है, तब तुम आश्चर्यचकित और स्तब्ध होते हो। तुम घटनाओं को आत्मसात नहीं कर पाते। गहन ध्यान में तुम ही समय हो और सब कुछ तुम्हारे ही अहदर घटित हो रहा है। घटनाएं तुममें ऐसे घट रही हैं, जैसे आसमान में बादल गुजरते हैं। जब तुम समय के साथ होते हो, तुम ज्ञानी हो, तुम्हारा मन शांत है। जब मन प्रसन्न होता है, तब यह विस्तृत होता है, तब समय भी बहुत छोटा लगता है। जब मन दुखी होता है, संकुचित होता है, तब समय बहुत लंबा प्रतीत होता है। जब मन समचित्त है, स्थिर है, तब यह काल के परे है। इन दोनों स्थितियों से बचने के लिए कई व्यक्ति शराब या निद्रा का सहारा लेते हैं, परंतु जब मन जड़ या बेसुध होता है, तब यह अपनी ही अनुभूति नहीं कर सकता। समाधि ही असल शांति है, जो मन और समय के परे है। जैसे मन समय को अनुभव करता है, वैसे इस क्षण का भी अपना एक मन है। एक विराट मन, जिसमें व्यवस्था करने की अपरिमित और असीम योग्यता है। एक विचार और कुछ नहीं, समय के इस क्षण में एक तरंग है और समाधि के कुछ ही पल मन को ऊर्जा से भर देते हैं। निद्रावस्था के पहले और जिस पल तुम नींद से जगाते हो, सचेतनता के उन धूमिल क्षणों में, समय के परे जाने का अनुभव करो। जीवन साकार व निराकार का मिशण्रहै। भावनाओं का कोई आकार नहीं परंतु उनकी अभिव्यक्ति साकार होती है।

आत्मा का कोई रूप नहीं परंतु उसका निवास साकार में है। इसी तरह, ज्ञान और कृपा का भी कोई रूप नहीं, लेकिन उनकी अभिव्यक्ति किसी रूप द्वारा ही होती है। निराकार को हटा देने से तुम जड़ बनते हो- सांसारिक और संवेदनशील। आकार को छोड़ देने से तुम एक भ्रमित तपस्वी, अत्यधिक सपने देखने वाले या भावनात्मक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति बन जाते हो।

विचार मंथन

## प्रधानमंत्री संसद में ही सुरक्षित नहीं? नागरिकों की सुरक्षा के लिए कौन जिम्मेदार

(लेखक- सनत जैन )

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद के अंदर सुरक्षित नहीं हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का इस आशय का कथन अपने आप में गंभीर है। संसद केवल एक भवन नहीं है, लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है। संसद में नागरिकों की रक्षा के लिए नियम और कानून बनाए जाते हैं। उन्हीं नियमों और कानूनों से कार्यपालिका नागरिकों को यह भरोसा दिलाती है कि सरकार उनके हित में काम कर रही है। सरकार उनकी सुरक्षा, उनके जीवन-यापन तथा शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे विषयों पर काम कर रही है। 1947 के बाद से आम जनता का भरोसा संसद पर बना हुआ है। यदि उसी संसद मे सदन का नेता सुरक्षित नहीं है? इस लोकसभा के अध्यक्ष जो सदन मे सभी निर्वाचित सदस्यों के संरक्षक हैं। संविधान ने उन्हें सत्ता पक्ष और विपक्ष को संविधान का पालन कराने का अधिकार दिया हुआ है। यदि वह इस तरह की बात करते हैं, तो निश्चित रूप से 140 करोड़ जनता के मन में यह सवाल उठता है, यदि इतनी सुरक्षा प्राप्त प्रधानमंत्री सदन के अंदर सुरक्षित नहीं हैं, जिस सदन में मार्शल हटाकर सीआरपीएफ सुरक्षा बल के जवान लगाए गए हैं। ऐसी स्थिति में आम नागरिकों का क्या होगा? यदि यह आरोप सार्वजनिक विचार-विमर्श का हिस्सा बनता है तो उसका असर केवल सुरक्षा बहस तक सीमित नहीं रहता बल्कि वह राजनीतिक संदेश, संसदीय मर्यादा] जनविश्वास और विश्व में भारत के लोकतंत्र को लेकर सवाल वाली स्थिति बनती है। यहां पर सवाल प्रधानमंत्री की सुरक्षा का है। संसद देश के सबसे सुरक्षित स्थलों में मानी जाती है। बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, खुफिया निगरानी और प्रोटोकॉल पहले से मौजूद हैं। ऐसे में यदि कोई नेता विशेषकर प्रधानमंत्री सदन के अंदर असुरक्षित हैं, तो यह सुरक्षा एजेंसियों, लोकसभा सचिवालय और लोकसभा अध्यक्ष के लिए चिंता और समीक्षा का विषय है। लोकसभा अध्यक्ष के ऊपर सदन की तथा सदस्यों की सुरक्षा और उनके कार्य प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका है। सदन की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है। यदि वही कहते हैं कि प्रधानमंत्री सदन के अंदर सुरक्षित नहीं है। ऐसे में यह उनकी ही अक्षमता का प्रमाण माना जा सकता है। उन्हें राजनीतिक दबाव से ऊपर उठकर तथ्यों के आधार पर स्थिति को बिना किसी भेदभाव के स्पष्ट करनी चाहिए।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में प्रधानमंत्री का नहीं बोलना और लोकसभा अध्यक्ष का यह कहना कि प्रधानमंत्री के ऊपर हमला हो सकता था, इसलिए उन्होंने उन्हें सदन में आने से मना किया था।

लोकसभा अध्यक्ष का यह कथन स्वयं लोकसभा अध्यक्ष और सत्तापक्ष के लिए दोधारी तलवार बन गया है। इससे सत्ता पक्ष के समर्थकों में यह संदेश जायेगा कि प्रधानमंत्री निरंतर खतरे में रहकर भी काम कर रहे हैं। जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सहानुभूति मिल सकती है। दूसरी ओर विपक्ष इसे राजनीतिक नाटकीयता बताकर सवाल उठायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास इतनी ज्यादा सुरक्षा है वह प्रधानमंत्री होते हुए जब वह सदन के अंदर ही सुरक्षित नहीं है उनकी छवि पर विपक्ष तीखा प्रहार करते हुए इसका राजनीतिक फायदा उठाने का प्रयास करेगा। इसका असर आम जनता के बीच में हो सकता है कि जब प्रधानमंत्री ही सदन के अंदर सुरक्षित नहीं हैं तो वह हमारी रक्षा किस तरह से कर पाएंगे। जो छवि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बना रखी है उनकी उस छवि पर विपक्ष गहरा आघात करने का कोई मौका नहीं छोड़ेगा। सरकार के सुरक्षा तंत्र पर प्रधानमंत्री को भरोसा नहीं है।

वही तंत्र आम आदमी को कैसी सुरक्षा दे पाएगा। इस विवाद में भाजपा को अल्पकालिक राजनीतिक लाभ अपने पेशेंस को और समर्थकों से मिल सकता है। आम जनता और सरकारी मशीनरी की संस्थाओं पर अविश्वास और सत्ता पक्ष की कमजोरी का संदेश जाना तय है। इस मामले में लोकतांत्रिक संस्कृति जिसमे संसद मे बहस, असहमति और जवाबदेही का लोकतंत्र का जो सबसे बड़ा मंच है, यदि वहां राजनीतिक टकराव और साजिश के कारण इस तरह के उदाहरण और भाषा का उपयोग होने लगे तो उसके बाद देश की सुरक्षा और लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता है। असहमति को खतरे के रूप में नहीं, लोकतंत्र की शक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए।

पिछले 70 सालों में सदन के अंदर बहुत तीखे वाद विवाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में हुए हैं। 2004 में भी प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर तत्कालीन विपक्ष भाजपा के नेताओं और सांसदों ने उनके खिलाफ बेल में जाकर वर्तमान की तुलना में और ज्यादा हंगामा किया था। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है लेकिन उस समय के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने सरकार का पक्ष रखा, विपक्ष विरोध भी करता रहा। सदन पक्ष और विपक्ष से मिलकर बनता है। सदन के अध्यक्ष सभी सदस्यों के पालक होते हैं।

पिछले कुछ समय से अध्यक्ष की भूमिका को लेकर विपक्षी सदस्यों द्वारा शिकायतें दर्ज होती रही हैं। विपक्ष को बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा है। इसके बाद भी अध्यक्ष की जिम्मेदारी होती है कि वह चाहे सत्ता पक्ष का सांसद हो या विपक्ष का सांसद हो सभी के साथ समान रूप से व्यवहार करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# भारत-यूएस समझौते के बाद रूस से तेल आयात में कटौती की संभावना

**- समझौते के तहत भारत धीरे-धीरे घटा सकता है रूस से कच्चे तेल की खरीद**

**नई दिल्ली ।**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को भारत से सभी आयातों पर 25 प्रतिशत शुल्क हटाने का कार्यकारी आदेश जारी किया। इसके पीछे भारत की रूस से तेल आयात कम करने की प्रतिबद्धता मुख्य कारण मानी जा रही है। इस समझौते के तहत भारत धीरे-धीरे रूस से कच्चे तेल की खरीद घटाएगा, जिससे अमेरिकी प्रतिबंधों के साथ तालमेल बैठ सके। सूत्रों के अनुसार अधिकांश भारतीय तेल शोधनशालाएं जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स रूस से तेल की नई खरीद धीरे-धीरे रोकेंगी।` रिलायंस इंडस्ट्रीज अगले कुछ हफ्तों में अपनी रूस से खरीदी गई खेप पूरी करने के बाद आयात बंद कर सकती है। नायरा एनर्जी की स्थिति अलग है। रोसनेफ्ट में उसकी 49.13 फीसदी हिस्सेदारी और यूरोपीय एवं ब्रिटिश प्रतिबंधों के कारण कंपनी के पास अन्य विकल्प सीमित हैं। इसलिए नायरा रूस से तेल की खरीद जारी रख सकती है और उसे संभावित छूट भी मिल सकती है। दिसंबर 2025 में भारत का रूस से आयात औसतन 12 लाख बैरल प्रतिदिन था, जो जनवरी 2026 में घटकर 11 लाख बैरल हो गया। आने वाले महीनों में यह 10 लाख बैरल से नीचे जाने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के साथ समझौते के बाद यह आयात और घटकर लगभग आधा हो सकता है। भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 90 फीसदी आयात के जरिए पूरा करता है। रूस के अलावा अमेरिका और वेनेजुएला जैसे देश विकल्प के रूप में मौजूद हैं, जिससे भविष्य में तेल आपूर्ति स्थिर बनाए रखना संभव होगा।

## सन फार्मा ऑर्गेनिक ग्रोथ पर कायम, अधिग्रहण में रखेगा अनुशासित रुख

**कंपनी का कहना है कि वह बड़े अधिग्रहणों में जल्दबाजी नहीं करेगी**

**नई दिल्ली ।**

दवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सन फार्मा ने स्पष्ट किया है कि उसका मुख्य ध्यान खुद की मेहनत और संसाधनों से विकास (ऑर्गेनिक ग्रोथ) पर रहेगा। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह रणनीति शेयरधारकों के लिए निवेश को आकर्षक बनाए रखने के उद्देश्य से अपनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी बड़े अधिग्रहणों में जल्दबाजी नहीं करेगी। अधिग्रहण पर विचार केवल तब किया जाएगा जब इससे कंपनी की दीर्घकालिक रणनीतिक क्षमता मजबूत हो। अे धिकारी ने अमेरिका को कंपनी की रणनीति का प्रमुख केंद्र बताया, खासकर नई और आधुनिक दवाओं के क्षेत्र में। इसके साथ ही कंपनी वैश्विक स्तर पर इन दवाओं की पहुँच बढ़ाने पर जोर दे रही है। भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए कंपनी छोटे और रणनीतिक अधिग्रहण (टेक-इन्स) पर ध्यान दे रही है। यह रणनीति मौजूदा कारोबार के साथ एकीकृत करके बाजार में विस्तार करने में मदद करेगी।

## अमेरिका ने भारत को 'पैक्स सिलिका' पहल में शामिल होने का निमंत्रण दिया

**न्यूयॉर्क।** अमेरिका ने भारत को 'पैक्स सिलिका' नामक आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा और नवाचार पहल में शामिल होने का निमंत्रण देकर उत्साह जताया है। अमेरिका ने कहा है कि जल्द ही भारत सरकार के साथ इस पहल पर आधिकारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। पैक्स सिलिका दिसंबर 2025 में शुरू की गई एक रणनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य सुरक्षित और नवाचार आधारित सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला तैयार करना है। यह पहल महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा इनपुट, उन्नत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, एआई बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक सहित कई क्षेत्रों को कवर करती है। शुरुआत में इसके सदस्य देश ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, इज़राइल, जापान, कतर, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, यूएई और ब्रिटेन थे। अमेरिकी आर्थिक मामलों के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग ने कहा कि जनवरी 2026 तक भारत की वैचारिक सहमति बन चुकी थी और अब दोनों देशों के बीच जल्द ही बड़े समझौते पर हस्ताक्षर होंगे। उन्होंने भारत की युवा और तकनीकी प्रतिभा को चीन के मुकाबले महत्वपूर्ण बताया। अमेरिका के लिए भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक मजबूत और भरोसेमंद भागीदार है। हेलबर्ग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच शानदार संबंधों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत की इस पहल में शामिल होने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

## एएआई ने सरकारी कैब सर्विस भारत टैक्सी के साथ किया समझौता

**नई दिल्ली ।** एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने हाल ही में लांच हुई देश की पहली सरकारी कैब सर्विस भारत टैक्सी के साथ एग्रीमेंट (एमओयू) साइन किया है। इसके तहत भारत टैक्सी देश के कई एयरपोर्ट्स पर कैब सेवाएं देगी। एएआई के चेयरमैन विपिन कुमार ने एमओयू का आदान-प्रदान किया। इस समझौते का मकसद एयरपोर्ट्स पर यात्रियों को सही किराया, तय दरों और सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराना है। भारत टैक्सी, सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित एक ड्राइवर-ओनर्ड सेवा है, जिसमें टैक्सी चालक स्वयं कोऑपरेटिव के सदस्य होते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इस पहल से एयरपोर्ट पर कैब सेवाओं में पारदर्शिता, किराए की स्पष्टता और यात्री-अनुकूल अनुभव सुनिश्चित होगा। साथ ही, ड्राइवरों को भी संगठित प्लेटफॉर्म के जरिए स्थिर और सम्मानजनक रोजगार मिलेगा। एएआई का कहना है कि यह साझेदारी यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के साथ-साथ समावेशी परिवहन मॉडल को बढ़ावा देगी। आने वाले समय में इस व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से विभिन्न एयरपोर्ट्स पर लागू किया जाएगा।

## टाटा मोटर्स अगले हफ्तों में बढ़ा सकती है वाहनों की कीमतें

**- जिंसों और अन्य कीमती धातुओं की बढ़ती लागत कंपनी पर बना रही है दबाव**

**नई दिल्ली ।** टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवीएल) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा है कि कंपनी अपने वाहनों की कीमतें आने वाले हफ्तों में बढ़ा सकती है। उन्होंने बताया कि पिछले लगभग एक साल से जिंसों और अन्य कीमती धातुओं की बढ़ती लागत कंपनी पर दबाव बना रही है। अे धिकारी के अनुसार इस लागत वृद्धि का असर टीएमपीवीएल के राजस्व में लगभग दो प्रतिशत से अधिक देखने को मिला है। इस बीच मारुति सुजुकी इंडिया मूल्य वृद्धि के लिए स्थिति की समीक्षा कर रही है, जबकि हुंडई मोटर इंडिया ने जनवरी में अपने वेंयू मॉडल की कीमतें पहले ही बढ़ा दी हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी आने वाले हफ्तों में संभावित मूल्य वृद्धि की घोषणा कर सकती है लेकिन उन्होंने अभी विस्तृत संख्या या प्रतिशत साझा नहीं किया है। विश्लेषकों का मानना है कि बढ़ती कच्चे माल की कीमतों के कारण ऑटोमोबाइल क्षेत्र में मूल्य समायोजन की संभावना बढ़ रही है और टाटा मोटर्स इसका पालन करने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक है।

## अदाणी मुंद्रा पोर्ट ने जनवरी 2026 में वाहनों और तरल माल में तोड़ा रिकॉर्ड

**- रो-रो टर्मिनल के माध्यम से इस महीने 25,762 वाहन विदेशों में भेजे गए**

**नई दिल्ली ।**

गुजरात स्थित अदाणी मुंद्रा पोर्ट ने जनवरी 2026 में वाहनों के निर्यात में अब तक का सर्वोच्च मासिक रिकॉर्ड दर्ज किया है। बंदरगाह के अदाणी मुंद्रा कंटेनर टर्मिनल (सीटी2) के समर्पित रोल-ऑन/रोल-ऑफ (रो-रो) टर्मिनल के माध्यम से इस महीने 25,762 वाहन विदेशों में भेजे गए। यह आंकड़ा मई 2024 में स्थापित पिछले रिकॉर्ड को पार करता है। पोर्ट अधिकारियों के अनुसार, मारुति सुजुकी और टोयोटा जैसे वाहन निर्माताओं ने अफ्रीका, यूरोप, पूर्वी एशिया, ऑस्ट्रेलिया और पश्चिमी देशों के लिए निर्यात में वृद्धि की। इस दौरान एक ही जहाज पर 5,701 वाहनों को लोड किया गया, जो किसी भी पोत पर अब तक की सबसे बड़ी लोडिंग है। अदाणी मुंद्रा का लिक्विड टर्मिनल जनवरी में 11.20 लाख टन तरल माल संभालने में सफल रहा, जो इसका अब तक का सबसे अधिक मासिक रिकॉर्ड है। यह पिछले उच्च स्तर (दिसंबर 2025) से भी अधिक है। इस तरल माल में ऊर्जा उत्पाद, रसायन और औद्योगिक तरल पदार्थ शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह आंकड़ा मुंद्रा की बहु-श्रेणी कार्गो प्रबंधन क्षमता को स्पष्ट करता है। ये उपलब्धियाँ भारत में बड़े, एकीकृत बंदरगाहों की वैश्विक व्यापार और निर्यात प्रवाह में बढ़ती भूमिका को दर्शाती हैं। वाहनों और तरल माल दोनों क्षेत्रों में उच्च प्रदर्शन न केवल निर्यातकों के लिए अवसर बढ़ाता है, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को भी मजबूत करता है। अदाणी मुंद्रा पोर्ट के ये रिकॉर्ड यह दिखाते हैं कि देश के बंदरगाह अब उच्च मात्रा में माल को तेज़ी से संभालने और वैश्विक मांग को पूरा करने में सक्षम हैं।

# इस सप्ताह शेयर बाजार की निगाहें मुद्रास्फीति और तिमाही नतीजों पर रहेगी

**- भू-राजनीतिक घटनाक्रम और जिंस बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी महत्वपूर्ण रहेगा**

**नई दिल्ली ।**

विश्लेषकों का मानना है कि इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा घरेलू आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी। 12 फरवरी को खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े आने वाले हैं, जो बाजार को महंगाई और आरबीआई की मौद्रिक नीतियों के बारे में संकेत देंगे। इसके एक दिन बाद 13 फरवरी को विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े जारी होंगे, जो विदेशी निवेशकों के रुझान और रुपये की स्थिति पर असर डाल सकते हैं। इस सप्ताह कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अशोक लेलैंड, ओएनजीसी, बजाज इलेक्ट्रिकल्स और आयशर मोटर्स के परिणाम निवेशकों की रुचि का केंद्र होंगे। बाजार के जानकारों के अनुसार, इन नतीजों से न केवल इन कंपनियों के शेयर बल्कि व्यापक बाजार पर भी असर दिखाई देगा। वैश्विक स्तर पर निवेशक अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और नैस्डैक कंपोजिट के हालिया प्रदर्शन पर नजर रखेंगे। इसके साथ ही, भू-राजनीतिक घटनाक्रम और जिंस (कमोडिटी) बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी महत्वपूर्ण रहेगा। भारत और अमेरिका ने हाल ही में एक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति जताई है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क में कमी होगी। यह कदम द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के साथ ही बाजार में सकारात्मक संकेत दे सकता है। अमेरिका और भारत के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर दोनों देशों ने शनिवार को एक साझा बयान जारी किया जिसमें बताया गया है कि किन-किन वस्तुओं पर दोनों देशों में कितना-कितना आयात शुल्क और सीमा शुल्क घटाया जायेगा। इस समझौते से सेक्टर विशेष को लेकर निवेशकों की धारणा प्रभावित होगी। बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि भारतीय इक्विटी बाजार सुदृढ़ीकरण चरण में प्रवेश कर चुका है। अब निवेशकों का ध्यान पूंजीगत व्यय और वास्तविक खर्च पर केंद्रित है।

# तेल-तिलहन बाजार में कारोबारियों की धारणा बिगड़ी, दाम में गिरावट

**बढ़ती मांग के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूत बने रहे**

**नई दिल्ली ।** बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजार में सामान्य उतार-चढ़ाव देखा गया, लेकिन सप्ताहांत में अमेरिका-भारत अंतरिम व्यापार समझौते की खबर और सोयाबीन तेल के शुल्क मुक्त आयात की अफवाह फैलने से कारोबारी धारणा कमजोर हुई। इस वजह से अधिकांश तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। अच्छी गुणवत्ता वाले मूंगफली तेल और साबुत मूंगफली की बढ़ती मांग के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूत बने रहे। सरसों तेल का कारोबार पहले से कमजोर था, नई फसल आने और अफवाहों के चलते दामों पर दबाव बढ़ा। महाराष्ट्र में सोयाबीन का दाम 6,200 रुपये प्रे ति क्विंटल से घटकर 5,850 रुपये प्रे ति क्विंटल और मंडियों में हाजिर भाव 5,750-5,800 रुपये प्रे ति क्विंटल से गिरकर 5,300-5,400 रुपये प्रे ति क्विंटल हो गया। मध्य प्रदेश में दाम एमएसपी से नीचे चले गए। जाड़े की कमजोर मांग और धारणा प्रभावित होने से पाम-पामोलीन तेल के दाम भी नीचे आए। आगे का रुख मलेशिया एक्सचेंज के खुलने के बाद स्पष्ट होगा। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 200 रुपये की गिरावट के साथ 6,950-6,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 550 रुपये की गिरावट के साथ 14,250 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,400-2,500 रुपये और 2,400-2,545 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 125-125 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,600-5,650 रुपये और 5,200-5,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 14,600 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये की गिरावट के साथ 11,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन 50 रुपये सुधरकर 7,000-7,375 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये के सुधार के साथ 17,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 40 रुपये के सुधार के साथ 2,725-3,025 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।

## फार्मा से ऑटो तक, अमेरिका में इन सेक्टरों की चमक बढ़ेगी कई गुना

**नई दिल्ली ।** भारत और अमेरिका ने एक अंतरिम व्यापार ढांचे पर सहमति जताई है। इसका उद्देश्य आने वाले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाना है। समझौते के तहत दोनों देशों के उत्पादों के लिए बाजार पहुंच बढ़ाई जाएगी। कुछ प्रमुख वस्तुओं पर शुल्क में कटौती होगी और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। प्रारंभ में भारतीय निर्यात पर लगभग 18 फीसदी शुल्क लागू रहेगा, लेकिन बाद में महत्वपूर्ण सेक्टरों में और रियायत संभव है। भारतीय जेनरिक दवाओं और फार्मा सामग्री को अमेरिकी बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी। अमेरिकी समीक्षा के बाद शुल्क में रियायत दी जाएगी। भारत से अमेरिका का फार्मा निर्यात सालाना लगभग 9.78 अरब डॉलर का है। शुल्क कटौती से भारतीय दवाओं की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और बाजार हिस्सेदारी में सुधार होगा। अमेरिका भारत से आयातित रत्न और गहनों पर शुल्क घटा रहा है। इससे भारतीय निर्यातकों को लाभ मिलेगा, जबकि विमान और विमान पार्ट्स पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कुछ शुल्क हटाए जा रहे हैं। इसके चलते एल्यूमिनियम, स्टील और तांबे के घटकों सहित विमान उद्योग के उत्पादकों को अमेरिकी बाजार में आसान प्रवेश मिलेगा।

# अगले हफ्ते स्टॉक स्प्लिट, बोनस और डिविडेंड से बाजार में बढ़ेगी हलचल

**- कॉरपोरेट एक्शन के चलते निवेशकों की नजर बाजार पर**

**नई दिल्ली ।**

आने वाला हफ्ता शेयर बाजार के लिहाज से खास रहने वाला है। बाजार भले ही रोजाना उतार-चढ़ाव से गुजरता हो, लेकिन कुछ हफ्ते ऐसे होते हैं जब एक साथ कई बड़ी वजहें निवेशकों का ध्यान खींचती हैं। इस बार भी ऐसा ही माहौल बनता दिख रहा है। स्टॉक स्प्लिट, बोनस इश्यू और डिविडेंड जैसे कॉरपोरेट एक्शन बाजार में नई हलचल पैदा कर सकते हैं। ऐसे में यह हफ्ता न सिर्फ ट्रेडर्स बल्कि लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अगले हफ्ते शेयर बाजार में डेल्फी वर्ल्ड मनी लिमिटेड निवेशकों के रडार पर रहेगी। कंपनी ने अपने शेयर के स्टॉक स्प्लिट का ऐलान किया है। बीएसई पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कंपनी के स्टॉक स्प्लिट की एक्स-डेट 13 फरवरी 2026 तय की गई है, जबकि रिकॉर्ड डेट 14 फरवरी 2026 रखी गई है। इस स्प्लिट के तहत कंपनी अपने शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटाकर 2 रुपये करने जा रही है। माना जा रहा है कि इससे शेयर की लिक्विडिटी बढ़ सकती है। अगले हफ्ते दो कंपनियां अपने शेयरधारकों को बोनस इश्यू देने जा रही हैं। पहली कंपनी एक्सिटा कॉटन लिमिटेड है, जिसने 1:10 के अनुपात में बोनस इश्यू घोषित किया है। इसका एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट दोनों 13 फरवरी 2026 तय किया गया है। वहीं दूसरी कंपनी डेल्फी वर्ल्ड मनी लिमिटेड है, जो 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर देगी। इसका एक्स-डेट 13 फरवरी और रिकॉर्ड डेट 14 फरवरी 2026 है। इसके अलावा अगले हफ्ते 50 से अधिक कंपनियां अपने निवेशकों को डिविडेंड देने जा रही हैं। इस लिस्ट में फार्मा, ऑटो, इंफ्रा, पीएसयू, एफएमसीजी, लॉजिस्टिक्स और टेक्नोलॉजी सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं। कुल मिलाकर, आने वाला हफ्ता शेयर बाजार में खबरों और निवेशकों की सक्रियता से भरा रहने वाला है।

## हार्ले-डेविडसन समेत बड़ी बाइक्स होंगी सस्ती, इंपोर्ट ड्यूटी होगी जीरो

**- भारत-अमेरिका ट्रेड डील के तहत मार्च तक साइन होने की उम्मीद**

**नई दिल्ली ।**

भारत सरकार अमेरिका से आने वाली प्रीमियम मोटरसाइकिलों को बड़ी राहत देने जा रही है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के तहत 800 सीसी से 1,600 सीसी और उससे ज्यादा इंजन क्षमता वाली मोटरसाइकिलों पर इंपोर्ट ड्यूटी पूरी तरह खत्म की जाएगी। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत और अमेरिका ने इसी दिन एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें अंतरिम व्यापार समझौते का जिक्र किया गया है। उम्मीद है कि यह समझौता मार्च के मध्य तक आधिकारिक रूप से साइन हो जाएगा और इसके लागू होते ही नई ड्यूटी व्यवस्था प्रभाव में आ जाएगी। पिछले साल भारत सरकार ने बड़ी बाइक्स पर इंपोर्ट ड्यूटी कम की थी। 1,600 सीसी तक की पूरी तरह बनी मोटरसाइकिलों पर ड्यूटी 50 फीसदी से घटाकर 40 फीसदी और 1,600 सीसी से ऊपर की बाइक्स पर 30 फीसदी कर दी गई थी। अब नई डील में 800 सीसी से ऊपर की श्रेणी को पूरी तरह ड्यूटी फ्री किया जाएगा। समझौते में अमेरिकी डीजल और पेट्रोल कारों पर ड्यूटी में छूट शामिल है। वहीं अमेरिका भारत से आने वाले कुछ ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ हटाएगा, जबकि कुछ पर 18 फीसदी शुल्क बना रहेगा।

## नए साल में भारतीय टू-व्हीलर बाजार में आया जोरदार उछाल

**नईदिल्ली ।**

नए साल में भारतीय टू व्हीलर बाजार में जबर्दस्त उछाल देखने को मिला। बीते महीने जनवरी 2026 में होंडा, हीरो, टीवीएस, बजाज, सुजुकी और रॉयल एनफील्ड जैसी प्रमुख कंपनियों ने मजबूत बिक्री दर्ज की है। जनवरी में टॉप-6 कंपनियों की घरेलू बिक्री 18,31,853 यूनिट्स तक पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में 26.39 प्रतिशत अधिक है। दिसंबर 2025 की तुलना में भी 25.03प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली। यह आंकड़ा बताता है कि नए साल में उपभोक्ताओं का भरोसा काफी मजबूत हुआ है और बाजार ने रफ्तार पकड़ ली है। हीरो मोटोकॉर्प ने 5,20,208 यूनिट्स की बिक्री के साथ बाजार में बढ़त बनाए रखी। कंपनी ने 26.15प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की और 28.40प्रतिशत मार्केट शेयर हासिल किया।

दूसरी ओर, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने 5,19,579 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो 28.94प्रतिशत की वायओवाय ग्रोथ है। मार्केट शेयर 28.36प्रतिशत रहा। बेहद मामूली अंतर से हीरो आगे रहा, लेकिन ग्रोथ रेट में होंडा ने बढ़त दिखाते हुए आने वाले महीनों में कड़ी प्रतिस्पर्धा के संकेत दिए। टीवीएस मोटर ने भी शानदार प्रदर्शन किया और 3,83,262 यूनिट्स की बिक्री के साथ 30.42प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की।

बजाज ऑटो की बिक्री 2,14,727 यूनिट्स रही, जिसमें 25.35प्रतिशत वृद्धि हुई। सुजुकी ने 1,00,296 यूनिट्स और रॉयल एनफील्ड ने 93,781 यूनिट्स बेचे। रॉयल एनफील्ड की बिक्री भले कम हो, लेकिन प्रीमियम सेगमेंट में इसकी पकड़ मजबूत बनी हुई है। कुल मिलाकर, जनवरी 2026 टू-व्हीलर इंडस्ट्री के लिए बेहद सकारात्मक रहा। हीरो और होंडा के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, टीवीएस की तेज ग्रोथ और बजाज की स्थिर परफॉर्मेंस यह संकेत देती है कि आने वाले महीने और भी रोमांचक होने वाले हैं। ग्रामीण बाजारों में बढ़ती मांग, शहरी क्षेत्रों में तेजी से रिकवरी और एक्सपोर्ट्स में सुधार ने मिलकर इस सेक्टर को बड़ी बढ़त दी है।

## शीर्ष आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4.55 लाख करोड़ बढ़ा

**- बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज नंबर वन रही**

**नई दिल्ली ।**

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में शानदार तेजी देखी गई जिससे निवेशकों के बीच उत्साह का माहौल बना। इस तेजी के पीछे बड़ी कंपनियों के मजबूत प्रदर्शन को मुख्य कारण माना जा रहा है। शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। लाभ में रहने वाली इन आठ कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 4,55,336.36 करोड़ रुपये बढ़ा।इस सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,41,887.97 करोड़ रुपये बढ़कर 19,63,358.79 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा एलआईसी का मूल्यांकन 64,926.1 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल 52,516.39 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक 52,476.97 करोड़ रुपये बढ़कर बंद हुआ। हालांकि, इस तेजी के बावजूद टीसीएस और इंफोसिस के शेयर पीछे रहे। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 88,172.8 करोड़ रुपये घटकर 10,64,242.35 करोड़ रुपये और इंफोसिस का 63,462.66 करोड़ रुपये घटकर 6,26,067.95 करोड़ रुपये रह गया। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर, इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का क्रम रहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# टी20 विश्व कप : उलटफेर से बाल बाल-बचा इंग्लैंड, नेपाल के खिलाफ करीबी मुकाबले में दर्ज की जीत

**मुंबई (एजेंसी)।** दो बार की विश्व चैंपियन इंग्लैंड ने रविवार को यहां टी20 विश्व कप ग्रुप सी के बेहद रोमांचक मुकाबले में नेपाल की चुनौती से निपटते हुए अंत में चार रन की करीबी जीत दर्ज की। नेपाल इस मुकाबले में उलटफेर कर इतिहास रचने के बहुत करीब पहुंच गया था। उसने इंग्लैंड के सात विकेट पर 184 रन के जवाब में छह विकेट पर 180 रन बनाए। लोकेश बाम (20 गेंद में नाबाद 39 रन) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेपाल की उलटफेर भरी जीत की उम्मीद बनाए रखी, लेकिन आखिरी ओवर में जीत नहीं दिला सके।

आखिरी ओवर में नेपाल को जीत के लिए 10 रन की दरकार थी, लेकिन नेपाल के लिए बाउंड्री नहीं लग सकी। इस तरह बल्ले से उनका शानदार प्रदर्शन करीबी हार से खत्म हो गया। सैम करन ने अंतिम ओवर में लगातार यॉर्कर फेंकीं और नेपाल की टीम सिर्फ पांच रन ही बना पाई। लेकिन फिर भी 17,000 से ज्यादा प्रशंसक वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद थे और उन्होंने नेपाल को अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन करते देखा। कप्तान रोहित पौडेल (39), दीपेंद्र सिंह ऐरी (39), कुशाल भुर्तेल (29) और लोकेश बसम (चार चौके, दो छक्के) ने शानदार जज्बा दिखाया लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए।

नेपाल को आखिरी तीन ओवर में 46 रन चाहिए थे तब बाम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने जोफ्रा आर्चर के 18वें ओवर में दो छक्के और 19वें ओवर में ल्यूक वुड पर लगातार दो चौके लगाए। भुर्तेल ने शुरुआत में तेजी से रन जुटाए जबकि पौडेल और ऐरी के बीच तीसरे विकेट के लिए 82 रन की मजबूत साझेदारी ने नेपाल को मजबूती दी। नेपाल ने आसिफ शेख (07) के रूप में शुरुआती विकेट गंवा दिया था लेकिन भुर्तेल ने 17 गेंद में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाकर लय बनाई। लेकिन छठे ओवर में आउट हो गए।

14वें ओवर में पौडेल ने रन गति बढ़ाकर नेपाल को लक्ष्य की ओर अग्रसर किया। उन्होंने इंग्लैंड के सबसे सीनियर गेंदबाज राशिद खान के ओवर में छक्का और चौका लगाया। हालांकि ड्रिंक्स ब्रेक के बाद ऐरी और पौडेल की लय टूट गई। ऐरी ने 15वें ओवर में सैम करन की गेंद पर आउट हो गए। इसके तुरंत बाद पौडेल भी लियाम डॉसन की गेंद पर स्वीप शॉट खेलने की कोशिश में डीप मिडविकेट पर फिल साल्ट के हाथों कैच आउट हुए।

इससे पहले इंग्लैंड ने कप्तान हैरी ब्रूक (53 रन) और जैकब बेथेल (55 रन) के अर्धशतकों से सात विकेट पर 184 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज बेथेल ने टी20 विश्व कप पर्दापण में तेज अर्धशतक से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 35 गेंद में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। कप्तान ब्रूक 32 गेंद में चार चौके और तीन छक्के की मदद से एक महत्वपूर्ण पारी खेलने के बाद आउट हो गए। उन्होंने बेथेल के साथ चौथे विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी की। नेपाल के गेंदबाजों ने अपनी तरफ से कड़ी चुनौती पेश की।

शेर मल्ल ने अपने दूसरे ओवर की पहली गेंद पर फिल साल्ट (01) को कैच आउट करवाया तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। नंदन यादव ने पांचवें ओवर में जोस बटलर (26) का अहम विकेट लिया जो बेथेल के साथ मिलकर पारी को संभालने की कोशिश कर रहे थे। सातवें ओवर में इंग्लैंड ने तीसरा विकेट टॉम बैंटन के रूप में लिया जो स्पिनर संदीप लामिचाने को रिवर्स स्वीप करने की कोशिश में पगबाधा आउट हुए। इससे पहले बेथेल ने उनकी पहली चार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का लगाया था। फिर बेथेल का साथ निभाने ब्रूक उतरे।

यह वही पिच है जिस पर शनिवार रात को भारत ने 77 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। हालांकि इंग्लैंड को निश्चित रूप से उस पिच पर बल्लेबाजी करने में कोई परेशानी नहीं हुई जिस पर कुछ गेंद रूककर आ रही थी। इंग्लैंड के बल्लेबाज काफी हद तक अपने शॉट खेलने में सफल रहे। हालांकि कोई भी भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव की तरह पारी नहीं खेल सका।

इंग्लैंड ने आखिरी तीन ओवरों में 45 रन बनाए जिसमें विल जैक्स चार छक्के और एक चौका लगाकर 18 गेंद में 39 रन बनाकर नाबाद रहे। मैदान में नेपाल के प्रशंसक भारी संख्या में मौजूद थे जो इंग्लैंड के प्रशंसकों की तुलना में कहीं ज्यादा थे। नेपाल के लिए दीपेंद्र सिंह ऐरी और नंदन यादव ने दो दो विकेट झटके। शेर मल्ल और संदीप लामिचाने ने एक एक विकेट प्राप्त किया।

## ऑगर-अलियासिमे ने फ्रेंच क्वालिफायर ड्रोगेट को हराकर फाइनल में वापसी की

**मोंटपेलियर (एजेंसी)।** फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे ने शनिवार को मोंटपेलियर में ओपन ऑक्सिटानी में शानदार फिनिशिंग के साथ फ्रेंच क्वालिफायर टिटुआन ड्रोगेट का शानदार प्रदर्शन खत्म किया। टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन ने डिसाइडिंग सेट में अपना लेवल बढ़ाया और एटीपी 250 सेमीफाइनल में 6-4, 6-7(5), 6-1 से जीत हासिल की। ऑगर-अलियासिमे अपने 21वें टूर-लेवल फ़ाइनल और 13वें इनडोर फ़ाइनल में पहुँच गए हैं। कनाडाई खिलाड़ी के आठ करियर टाइटल में से सात इनडोर रहे हैं, और एटीपी टूर पर इस दशक में इन कंडीशन में उनकी 87 मैच जीत सबसे ज़्यादा हैं। 25 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगा कि दूसरे सेट में भी मेरा मौका आएगा, जो बड़ी सर्विस देने वाले ड्रोगेट के सामने मज़बूती से डटे रहे। यह अच्छा था कि मैंने पहला सेट जीता। इससे मुझे यह समझने का समय मिल रहा था कि उसे कैसे ब्रेक करना है। मुझे लगता है कि मैंने तीसरे सेट में बहुत बेहतर सर्व किया। मुझे लगता है कि मैंने दूसरे सर्व रिटर्न पर भी बेहतर रिटर्न किया। मैं बॉल को ज़्यादा सफाई से मार रहा था और सच में इसे अलग-अलग टारगेट पर अच्छी तरह से मार रहा था।' फ्रेंचमैन आर्थर फिल्स और ड्रोगेट को लगातार हराने के बाद, ऑगर-अलियासिमे का सामना फाइनल में एक और घरेलू उम्मीद एड्रियन मैनारिनो से होगा। मैनारिनो ने 1-6, 6-3, 6-4 से जीत के साथ अमेरिकी क्वालीफायर मार्टिन डैम का सिलसिला खत्म किया। 37 साल के फ्रेंचमैन ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने 16वें टूर-लेवल फाइनल और फ्रांस में पहले फाइनल में जगह बनाई। टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे उम्रदराज फाइनलिस्ट, मैनारिनो एटीपी लाइव रैंकिंग में 51वें नंबर पर हैं।

## सूर्यकुमार विश्वकप में तेजी से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हुए

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टी20 विश्वकप के अपने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ खेली अपनी 84 रनों की नाबाद पारी के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। सूर्यकुमार ने 84 रनों की अपनी इस पारी के साथ टी20 विश्वकप कप में अपने 500 रन पूरे किये हैं। अब उनके नाम इस आईसीसी टूर्नामेंट में 18 पारियों में 564 रन हो गए हैं। इसके साथ ही सूर्यकुमार तेजी से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गये हैं। सूर्या विश्व कप में 500 रन बनाने वाले छठे और सबसे कम पारियों में ये आंकड़ा हासिल करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं। इससे पहले ये आंकड़ा महेन्द्र सिंह धोनी और युवराज सिंह के अलावा विराट कोहली , रोहित शर्मा, गौतम गंभीर के नाम है।

वहीं सबसे तेजी से 500 रन का आंकड़ा विराट के नाम है। कोहली ने केवल 11 टी20 विश्व कप पारियों में 500 रन बनाये हैं। सूर्या इस सूची में रोहित शर्मा और गौतम गंभीर के बाद तीसरे स्थान पर है। गंभीर और रोहित संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। सूर्यकुमार ने टी20 विश्व कप की 18 पारियों में 500 टी20 रन पूरे किए, वहीं युवराज ने 22 जबकि धोनी ने 28 पारियों में किया था।

**सबसे कम पारियों में 500 रन बनाने वाले भारतीय**

11-विराट कोहली
17- गौतम गंभीर
17 - रोहित शर्मा
18 - सूर्यकुमार यादव
22 - युवराज सिंह
28 - महेन्द्र सिंह धोनी

## विराट, रोहित पर कोच गंभीर के दबाव बनानें की बातें गलत: सैकिया

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के मुख्य कोच गौतम गंभीर से कोई मतभेद नहीं हैं। साथ ही कहा कि ये दोनो ही उस स्तर के खिलाड़ी हैं जिन्हें कोई भी दबाव बनाकर बाहर नहीं कर सकता है। इस प्रकार बोर्ड ने एक प्रकार से कोच गौतम गंभीर के रोहित शर्मा और विराट कोहली से मतभेदों की खबरों को खारिज कर दिया है। सैकिया ने कहा कि पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें आ रही है कि गंभीर इन दोनो को बाहर होने के लिए मजबूर कर रहे हैं जो सही नहीं है। इससे पहले कई लोगों का आरोप था कि टी20 विश्वकप 2024 जीतने के बाद रोहित और विराट ने इस प्रारुप से संन्यास ले लिया था। इसके बाद टेस्ट क्रिकेट को भी छोड़ दिया। अब दोनों केवल एकदिवसीय ही खेलते हैं और इसमें भी उनपर दबाव बनाया जा रहा है।

सैकिया ने कहा कि लोगों की अपनी धारणा हो सकती है पर गंभीर क्या कोई भी विराट और रोहित जैसे खिलाड़ियों पर दबाव नहीं बना सकता है। उन्होंने कहा, 'ऐसी धारणा हो सकती है पर विराट हमेशा टीम में हैं। गंभीर भी टीम में हैं। हम परिणाम देखते हैं और कुछ नहीं।'

साथ ही कहा कि विराट पर टेस्ट से संन्यास लेने के लिए दबाव नहीं बनाया गया। उन्होंने कहा कि कोहली जैसे बड़े खिलाड़ी को कोई भी किसी फैसले के लिए मजबूर नहीं कर सकता। उनके जैसे खिलाड़ी को कोई भी बदलने या कोई फैसला लेने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। वह भारतीय क्रिकेट के सितारे हैं। जब तक वह स्वयं चाहें, कोई भी उन्हें किसी फैसले के लिए मजबूर नहीं कर सकता। बोर्ड किसी भी खिलाड़ी के करियर में हस्तपेक्ष नहीं करता है।

विराट और रोहित के टेस्ट से संन्यास के बाद उनके एकदिवसीय करियर को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही थीं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई सीरीज के बाद दोनों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास से लेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। दोनो ने ही काफी अच्छा खेल दिखाकर अपने आलोचकों को शांत करा दिया. साथ ही कहा कि लोग क्या कहते हैं उसपर हम न तो जवाब दे सकते हैं न ही कुछ कर सकते हैं। सैकिया ने कहा कि दोनों के बीच सब कुछ सामान्य है और कोई लड़ाई नहीं हो रही है। सैकिया ने कहा.'मैंने कभी उन्हें लड़ते हुए नहीं देखा। दोनों के बीच बहुत अच्छा रिश्ता है।'

## भारतीय टीम ग्रुप ए में पहले, वहीं पाक दूसरे नंबर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप के पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ 29 रनों से मिली जीत के साथ ही अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंच गयी हैं। वहीं पाकिस्तान टीम को अपने पहले ही मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ मुश्किल से जीत मिली। फहीम अशरफ की पारी से टीम हालांकि अंतिम ओवर में तीन विकेट से जीती। इस जीत के साथ पाकिस्तान के ग्रुप ए में दो अंक हो गए हैं। टीम का नेट रन रेट प्लस 0.240 है। वहीं भारतीय टीम ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की 84 रनों की शानदार पारी के बाद कसी हुई गेंदबाजों की सहायता से विश्वप के अपने पहले ही मैच में अमेरिका को 29 रन से हराया। इस जीत के साथ भारत ने पाकिस्तान को ग्रुप ए की अंक तालिका में पीछे छोड़ दिया है। अब दोनो ही टीमों के दो-दो अंक हैं पर बेहतर रन औसत प्लसे 1.450 के साथ ही भारतीय टीम पहले नंबर पर है। भारतीय टीम अब ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में 12 फरवरी को नामीबिया से भिड़ेगी।

## अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना विश्व कप जीतने से भी बड़ा सपना : राशिद खान

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान भले ही दुनिया भर में क्रिकेट खेलकर कई उपलब्धियां हासिल कर चुके हों, लेकिन अपने देश में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का उनका सपना आज भी अधूरा है। युद्ध और अस्थिरता से प्रभावित अफगानिस्तान में अब तक एक भी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला आयोजित नहीं हो सका है। हालात इतने चुनौतीपूर्ण रहे कि टीम को अपने घरेलू मैच विदेशों में खेलने पड़ते हैं। भारत के ग्रेटर नोएडा, देहरादून और लखनऊ से लेकर यूएई के शारजाह और अबूधाबी तक, कई शहर लंबे समय तक अफगानिस्तान टीम के 'घरेलू मैदान' बने रहे। इसके बावजूद राशिद अपने इस सपने को छोड़ने को तैयार नहीं हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 मैच से पहले राशिद भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह हमारे लिए विश्व कप से भी बड़ा सपना है। अगर हम अफगानिस्तान में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेल पाते हैं, तो दुनिया देखेगी कि वहां लोग खिलाड़ियों का कितना सम्मान करते हैं और क्रिकेट का कितना आनंद लेते हैं। अपने देश में खेलना किसी सपने से बढ़कर है।' राशिद ने बताया कि दुनिया के हर कोने में, खासकर आईपीएल के दौरान, उन्हें अपार प्यार मिलता है, लेकिन घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का अनुभव अद्वितीय होगा। उन्होंने कहा, 'भारत में आईपीएल या अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए हमें हमेशा लगा कि लोग अपने सितारों को कितना प्यार देते हैं। हमें भी ढेर सारा स्नेह मिला है, खासकर 2023 विश्व कप में। लेकिन अफगानिस्तान में खेलना एक अलग एहसास देगा। तब दुनिया हमारे देश की खूबसूरती भी देखेगी।' राशिद को उम्मीद है कि एक दिन ऐसा माहौल जरूर बनेगा, जब कोई अंतरराष्ट्रीय टीम अफगानिस्तान में सीरीज खेलने पहुंचेगी।

# टी20 विश्वकप : सिफर्ट के अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया

**ला नुसिया (एजेंसी)।** चेन्नई (ईएमएस)। टिम सिफर्ट के शानदार अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट ग्रुप-डी पहले ही मैच में अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 6 विकेट पर 182 रन बनाये थे। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को कीवी टीम ने 17.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस मैच में कीवी टीम को जीत के लिए खास संघर्ष करना पड़ा। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरे ही ओवर में मुजीब उर रहमान ने फिन ऐलन को 1 और रचिन रविंद्र को खाता खोले बिन ही लगातार गेंदों पर आउट कर टीम को दबाव में ल दिया। इसके सिफर्ट और फिलिप्स के बीच तीसर विकेट के लिए 74 रन की अहम साझेदारी से टीम संभली। इन दोनों ने दबाव में भी आक्रामक रुख अपनाया । फिलिप्स ने 25 गेंदों में 42 रन बनाए, जिसमें सात चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं सिफर्ट ने 39 गेंदों

में अर्धशतक लगाया। उन्होंने 42 गेंदों में 65 रन की पारी खेली, जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल थे। वह मोहम्मद नबी का शिकार बने। अंत में डैरिल मिचेल ने 14 गेंदों में 25 रन और कप्तान मिचेल सैंटनर ने 8 गेंद में 17 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगान टीम की ओर से बल्लेबाज़ गुलबदिन नायब ने अर्धशतक लगाया। जिससे अफगानिस्तान की टीम एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। इस मेच में कीवी बल्लेबाजों को अपने अनुसार खेलने का अवसर नहीं मिला। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी अफगानिस्तान की टीम ने शुरुआत में ही दो विके खो दिये। सलामी बल्लेबाज़ रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने 27 रन बनाये पर वह इसके बाद लॉकी फर्ग्युसन की धीमी गेंद पर पेवेलियन लौट गये। इसी ओवर में फर्ग्युसन ने इब्राहिम जादरान को अंतिम गेंद पर आउट कर दिया। जादरान ने 10 रन बनाये थे। इसके बाद गुलबदिन नायब ने 63 रन और सेदिक़ुल्लाह अटल ने 29 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाया। गुलबदिन ने 29 गेंदों में ही 50 रन बना दिये। अंतिम ओवरों में गुलबदिन ने 17 गेंदों में 33 रन बनाकर स्कोर को 150 के ऊपर पहुंचाया। बाद अजमतुल्लाह उमरजई ने 14 रन बनाकर फगानिस्तान को 180 रनों के उपर पहुंचाया ।न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्युसन ने 40 रन देकर 2 विकेट लिए। न्यूजीलैंड के लिए लॉकी फर्ग्युसन ने दो विकेट जबकि मैट हेनरी, जेकब डफी और रचिन रविंद्र को एक-एक विकेट मिला।

## टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पहली हैट्रिक रोमारियो शेपर्ड के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेपर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में इतिहास रचते हुए टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक अपने नाम कर ली। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले में शेपर्ड ने 17वें ओवर में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की। उनके इस शानदार स्पेल ने स्कॉटलैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखेर दी और वेस्टइंडीज को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। रोमारियो शेपर्ड ने बतौर ऑलराउंडर मैच में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए न सिर्फ हैट्रिक ली, बल्कि कुल 5 विकेट झटके। 17वें ओवर में उन्होंने तीन लगातार गेंदों पर मैथ्यू क्रॉस, माइकल लीस्क और ओलिवर डेविडसन को पवेलियन भेजकर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। खास बात यह रही कि इसी ओवर की आखिरी गेंद पर भी उन्होंने एक और विकेट लेकर स्कॉटलैंड पर दबाव को कई गुना बढ़ा दिया। उनके इस स्पेल ने मुकाबले का रुख वेस्टइंडीज की ओर मोड़ दिया, क्योंकि स्कॉटलैंड की टीम लगातार विकेट गंवाकर बड़े स्कोर की ओर बढ़ ही नहीं पाई। शेपर्ड की गेंदबाजी की लाइन और लेंथ इतनी सटीक रही कि स्कॉटलैंड के बल्लेबाज संभलने का कोई मौका ही नहीं पा सके। उनकी हैट्रिक ओवर न केवल तकनीकी रूप से बेहतरीन रहा, बल्कि मानसिक रूप से भी स्कॉटिश खिलाड़ियों पर भारी पड़ा। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में यह पहली हैट्रिक है और इस उपलब्धि के साथ शेपर्ड टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी इस शानदार परफॉर्मेंस ने वेस्टइंडीज की गेंदबाजी इकाई का आत्मविश्वास भी बढ़ा दिया है। मैच के बाद क्रिकेट विशेषज्ञों ने भी शेपर्ड की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी गेंदबाजी ने वेस्टइंडीज को जीत की सबसे मजबूत राह पर ला खड़ा किया है।

## सूर्यकुमार ने अमेरिक के खिलाफ मैच में सफलता का श्रेय गंभीर को दिया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम को अंडर-19 विश्वकप के पहले ही मुकाबले में कप्तानी पारी खेलकर जीत दिलाने वाले सूर्यकुमार यादव ने इसका श्रेय कोच गौतम गंभीर की एक सलाह को दिया है। सूर्या ने कहा कि एक समय जब आधी टीम 77 रनों पर पेवेलियन लौट गयी थी तब उनपर काफी अधिक दबाव था पर बेक्र के दौरान कोच कोच ने उनसे अंत तक टिके रहने को कहा था। कोच का मानना था कि अगर वह अंत तक खेलेंगे तो रन बन जाएंगे। सूर्यकुमार ने इस मैच में 49 गेंदों में 10 चौके और 4 छक्के लगाकर नाबाद 84 रन बनाए। इससे भारतीय टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रन बनाकर 29 रन से जीत हासिल की। सूर्यकुमार ने बताया कि गंभीर ने उनसे कहा था कि वह अंत तक तक बल्लेबाजी करें क्योंकि वह जमने के बाद बड़े शॉट लगा सकते हैं। सूर्यकुमार ने कहा, मुझे बल्लेबाज के समय अंदाजा हो गय था कि इस विकेट पर 140 रन ही काफी हैं। मुझे इस प्रकार के विकेटों पर खेलने आ अनुभव है। इसलिए मेरा मानना था कि मैं यहां बड़ी पारी खेल सकता हूं। सूर्यकुमार छठे ओवर में बल्लेबाजी करने आए थे और शुरुआत में उन्होंने धीमी बल्लेबाजी करते हुए केवल 7 रन बनाये। बाद में उन्होंने तेजी से खेलते हुए कमी पूरी कर दी। सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। अंतिम ओवर में उन्हों चौके, छक्के लगाकर टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचा दिया।

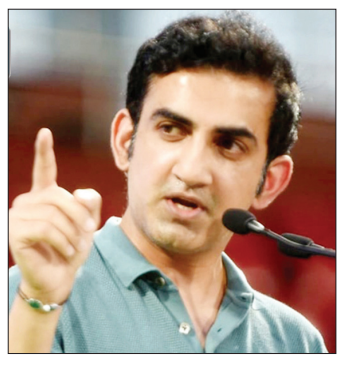

# लवलीना और अरुंधति की अगुवाई में भारत ने 9 गोल्ड जीते

**ला नुसिया (एजेंसी)।** भारत ने आखिरी दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 को बहुत सफल तरीके से खत्म किया, जिसमें ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन और पूर्व यूथ वर्ल्ड चैंपियन अरुंधति चौधरी ने ला नुसिया, एलिकांटे में शानदार फिनिश करते हुए नौ गोल्ड मेडल जीते। एक खास उपलब्धि यह रही कि शनिवार को भारत ने सात एलीट विमेंस फाइनल में हिस्सा लिया - जिसमें 54किग्रा डिवीजन में एक ऑल-इंडियन टाइटल क्लैश भी शामिल था - और हर एक में गोल्ड मेडल जीता।

ला नुसिया, एलिकांटे में हुए बॉक्सम एलीट 2026 में 20 देशों के 200 से ज़्यादा बॉक्सर्स ने हिस्सा लिया, जिससे सीजन की शुरुआत में ही एक हाई-क्वालिटी इंटरनेशनल टेस्ट मिला। भारत नौ गोल्ड, तीन सिल्वर और सात ब्रॉन्ज मेडल के साथ कॉम्पिटिशन का सबसे सफल देश रहा। बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, 'बॉक्सम एलीट ने ठीक वैसा ही मौका दिया जैसा हम सीजन के इस स्टेज पर ढूंढ रहे थे, जिसमें मजबूत इंटरनेशनल मुकाबले, अलग-अलग वेट कैटेगरी में गहराई और हाई-प्रेशर वाले मुकाबले शामिल थे। स्पेन में परफॉर्मेंस, खासकर फाइनल में कन्वर्ज़न रेट, हमारे प्रोग्राम की प्रोग्रेस को दिखाता है। आने वाला साल मुश्किल होने के साथ, यह टूर्नामेंट हमारे बॉक्सर्स को आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करने में एक अहम कदम रहा है। पूरे दल को शानदार कैंपेन के लिए बधाई।'

भारत की महिलाओं ने आखिरी दिन बेंचमार्क सेट किया। मंजू रानी (48किग्रा) और नीतू (51) ने स्पेन की माटर लोपेज़ और नोएलिया गुटिरेज़ पर एकमत से ज़बरदस्त जीत के साथ शुरुआत की, इससे पहले पूनम (54) ने कड़े मुकाबले वाले ऑल-इंडियन फाइनल में हमवतन प्रीति को हराया। प्रिया (60) और अरुंधति (70) ने यूक्रेनी विरोधियों पर 5-0 से शानदार जीत हासिल की, जबकि लवलीना (75) ने अपना खास कंट्रोल और संयम दिखाते हुए इंग्लैंड की मैरी-केट स्मिथ को 4:1 से हराया। नैना (80) ने यूक्रेन की ईसा पिस्कुन पर आसान जीत के साथ स्वीप पूरा किया।

महिलाओं के प्रदर्शन पर बात करते हुए, भारतीय महिला टीम के हेड कोच सैंटियागो नीवा ने कहा, 'यह महिलाओं का शानदार प्रदर्शन था, सिर्फ़ मेडल के मामले में ही नहीं, बल्कि जिस तरह से उन्होंने अनुशासन, स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ बॉक्सिंग की। सात फाइनल में पहुँचना और सभी सातों जीतना पूरे सिस्टम में किए जा रहे काम के बारे में बहुत कुछ बताता है। इसका क्रेडिट पूरी भारतीय टीम को भी जाता है, पुरुषों और महिलाओं ने पूरे टूर्नामेंट में एक-दूसरे को आगे बढ़ाया, और यह सामूहिक माहौल लगातार सफलता की कुंजी है।'

पुरुषों के फाइनल में सचिन (60) ने दिन के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक में कनाडा

के केओमा-अली अल अहमदीह को 3-2 से हराया, जबकि आकाश (75) ने कज़ाकिस्तान के अमन कोंसबेकोव पर 3-2 से रोमांचक जीत के बाद एक और गोल्ड मेडल जीता। दीपक (70) और अंकुश (80) को क्रमशः कज़ाकिस्तान और यूक्रेन से कड़ी टक्कर मिलने के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### यूरोप में जंगल की आग से निपटने के लिए नया एलान

**ब्रसेल्स, एजेंसी।** यूरोपीय संघ ने पूरे यूरोप में बढ़ती जंगल की आग की घटनाओं से निपटने के लिए 300 दमकलकर्मियों की एक संयुक्त त्वरित प्रतिक्रिया फोर्स बनाने का ऐलान किया है। ईयू के जलवायु आयुक्त ने बताया कि यह बल 27 सदस्य देशों से चुने गए प्रशिक्षित कर्मियों का होगा। जरूरत पड़ते ही इन्हें किसी भी प्रभावित देश में तुरंत भेजा जाएगा। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब वर्ष 2025 यूरोप में जंगल की आग के लिहाज से सबसे खराब साल दर्ज किया गया। एक हालिया अध्ययन में कहा गया कि जलवायु परिवर्तन ने आग की तीव्रता और फैलाव दोनों बढ़ाए हैं। अधिकारियों के मुताबिक भविष्य में इस बल में और संसाधन तथा उपकरण जोड़े जा सकते हैं। पिछले साल पूर्वी भूमध्यसागर क्षेत्र में भीषण आग लगी थी, जहां तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा, सूखा और तेज हवाएं चलीं। इन आग की घटनाओं में 20 लोगों की मौत हुई और करीब 80 हजार लोगों को घर छोड़ना पड़ा। दस लाख हेक्टेयर से ज्यादा जमीन जल गई। अध्ययन में पाया गया कि अब लंबे सूखे और गर्म मौसम की संभावना पहले से कई गुना बढ़ चुकी है।

### हिजबुल्लाह में बड़ा फेरबदल, वफीक सफा हटे

**लेबनान , एजेंसी।** लेबनान के संगठन हिजबुल्लाह ने आंतरिक पुनर्गठन के तहत अपने वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी वफीक सफा को उनके पद से हटा दिया है। समूह से जुड़े सूत्रों के अनुसार सफा ने खुद पद छोड़ने की इच्छा जताई थी, जिसके बाद नेतृत्व ने इस्तीफा स्वीकार कर लिया। वह कई दशकों से संगठन की संपर्क और समन्वय इकाई के प्रमुख थे और लेबनान की सुरक्षा एजेंसियों के साथ तालमेल का काम देखते थे। उनकी जगह अब हुसैन अब्दुल्ला को जिम्मेदारी दी गई है, जो अब तक सार्वजनिक रूप से ज्यादा चर्चित चेहरा नहीं रहे हैं। बताया गया है कि हाल में इस इकाई की कुछ शक्तियां भी कम की गई हैं और दूसरे विभागों को सौंपी गई हैं। यह बदलाव इस्राइल के साथ 14 महीने चले युद्ध के बाद किया गया है, जिसमें संगठन को बड़ा नुकसान हुआ और उसके कई राजनीतिक व सैन्य नेता मारे गए। सफा पहले इस्राइल के साथ कैदी अदला-बदली वार्ताओं में भी अहम भूमिका निभा चुके हैं। उन पर बेरूत पोर्ट विस्फोट मामले के जज को धमकाने के आरोप भी लगे थे। वर्ष 2019 में अमेरिका ने उन पर प्रतिबंध लगाया था।

### हांगकांग में पूर्व मीडिया दिग्गज के लिए सजा का एलान सोमवार को

**विक्टोरिया सिटी, एजेंसी।** स्वायत्तशासी क्षेत्र हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक पूर्व मीडिया दिग्गज जिमी लाई (78) को चीनी राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दोषी ठहराने के बाद सोमवार को सजा सुनाई जाएगी। बंद हो चुके एपल डेली अखबार के संस्थापक लाई को उम्रकैद तक की सजा संभव है।

### एपस्टीन मामले को लेकर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की कुर्सी खतरे में

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने जेफ्री एपस्टीन से कभी मुलाकात नहीं की, लेकिन उसके कई

वैश्विक ताओं-शख्सियतों से संबंधों का खुलासा होने के बाद अब इसकी आंच उन तक भी पहुंच रही है। स्टार्मर की कुर्सी खतरे में है। एपस्टीन के साथ मित्रता के कारण ब्रिटेन के शाही परिवार के सदस्य पूर्व प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर पहले ही सवालों के घेरे में हैं और वाशिंगटन में ब्रिटेन के राजदूत पीटर मैंडेलसन को पद से हटना पड़ा। निवेशक एपस्टीन से संबंधों के कारण स्टार्मर ने पहले ही कुछ अफसरों बर्खास्त कर दिया है। अब नए खुलासों ने स्टार्मर की मध्यमार्गी-वामपंथी सरकार में उथल-पुथल है। स्टार्मर को सत्तारूढ़ लेबर पार्टी में दबाव झेलना करना पड़ रहा है।

# अमेरिका में दरिंदगी की हद पार: शवगृह मालिक को 40 साल की सजा

**कोलोराडो स्प्रिंग्स, एजेंसी।** अमेरिका के कोलोराडो में एक दिल दहला देने वाले मामले में अदालत ने फ्यूनरल होम (शवदाह गृह) के मालिक जॉन हॉलफोर्ड को 40 साल की जेल की सजा सुनाई है। हॉलफोर्ड पर करीब 200 शवों के साथ दुर्व्यवहार करने और परिवारों को धोखा देने का आरोप था। अदालत में पीड़ित परिवारों ने उसे 'राक्षस' और 'घिनौना इंसान' करार दिया। सजा सुनाने की सुनवाई के दौरान पीड़ित परिवार के सदस्यों ने न्यायाधीश एरिक बेंटली को बताया कि अपने प्रियजनों के साथ हुई घटना के बारे में जानने के बाद से उन्हें भयानक सपने आते रहे हैं। उन्होंने जज से आरोपी जॉन हॉलफोर्ड को अधिकतम 50 साल की सजा देने की अपील की। आरोपी हॉलफोर्ड ने सजा सुनाए जाने से पहले माफी मांगी और कहा कि उसे अपने काम पर जीवन भर पछतावा रहेगा।

**पूर्व पत्नी को हो सकती है 35 साल तक की जेल :** इस मामले में उसकी पूर्व पत्नी कैरी हॉलफोर्ड, जो रिटर्न टू नेचर फ्यूनरल होम की सह-मालिक थी, उसे 24 अप्रैल को सजा सुनाई जानी है। उसे 25 से 35 साल की जेल हो सकती है। इस जोड़े पर शवों के साथ दुर्व्यवहार करने, चोरी करने, धन की हेराफेरी करने और दस्तावेजों में हेराफेरी करने का आरोप है। दोनों ने अभियोजकों के साथ एक

### 200 लाशों के साथ किया था अमानवीय व्यवहार

समझौते के तहत शवों के साथ दुर्व्यवहार के लगभग 200 मामलों में दिसंबर में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था।

**क्या है पूरा मामला :** जॉन हॉलफोर्ड और उसकी पत्नी कैरी हॉलफोर्ड 'रिटर्न टू नेचर' नाम से फ्यूनरल होम चलाते थे। उन पर आरोप है कि उन्होंने189 शवों को एक इमारत में सड़ने के लिए छोड़ दिया।वहीं परिजनों को उनके प्रियजनों की अस्थियों के नाम पर सूखा कंक्रीट (सीमेंट) थमा दिया। यह सिलसिला 2019 से 2023 तक चलता रहा, जिसका खुलासा तब हुआ जब पड़ोसियों ने बदबू की शिकायत की। हॉलफोर्ड परिवार ने शवों को कोलोराडो स्प्रिंग्स के दक्षिण में स्थित पेनरोस नामक छोटे शहर की एक इमारत में छिपाकर रखा था।

**मौज मस्ती और शौक में खर्च की रकम :** कई महीनों की मेहनत के बाद उंगलियों के निशान, डीएनए और अन्य तरीकों की मदद से शवों की पहचान की गई। जांच में सामने आया कि हॉलफोर्ड दंपति ने अंतिम संस्कार के नाम पर परिवारों से प्रति व्यक्ति 1200 डॉलर (करीब 1 लाख रुपये) वसूले। इस पैसे का इस्तेमाल शवों के अंतिम संस्कार के बजाय उन्होंने अपनी विलासिता के लिए किया। उन्होंने लक्जरी गाड़ियां खरीदीं। क्रिप्टोकरेंसी और महंगे ब्रांड्स के गहनों पर पैसे खर्च किए। यहां तक कि कोरोना महामारी के दौरान मिलने वाली सरकारी सहायता में भी 9,00,000 डॉलर की धोखाधड़ी की। जॉन हॉलफोर्ड को इस मामले में 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई है, जबकि कैरी हॉलफोर्ड की सजा पर अभी फैसला आना बाकी है।

**कोर्ट में भावुक हुए परिवार :** सुनवाई के दौरान पीड़ित परिवार अपने प्रियजनों के साथ हुए अमानवीय व्यवहार को जानकार भावुक नजर आए। एक पीड़ित बेटी केली मैकीन ने कहा, 'मेरी मां के साथ कूढ़ा जैसा व्यवहार किया गया और उन्हें सैकड़ों अन्य लोगों के साथ सड़ने के लिए छोड़ दिया गया। मेरा दिल टूट गया है।' जांचकर्ताओं के अनुसार जब उन्होंने इमारत की तलाशी ली, तो वहां फर्श पर कीड़े और सड़ते हुए शवों का अंबार लगा था। कुछ शव तो एक-दूसरे के ऊपर रखे हुए थे। जॉन हॉलफोर्ड को राज्य और संघीय दोनों मामलों में सजा सुनाई जा चुकी है। वहीं उसकी पत्नी कैरी हॉलफोर्ड को 24 अप्रैल को सजा सुनाई जाएगी, उन्हें 25 से 35 साल तक की जेल हो सकती है। इस घटना के बाद कोलोराडो सरकार ने अंतिम संस्कार गृहों के लिए अपने नियमों को और सख्त कर दिया है।

# अब बांग्लादेश में निपाह वायरस की दस्तक, कच्चा खजूर रस पीने से महिला की मौत

**ढाका, एजेंसी।** विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शुक्रवार को बांग्लादेश में निपाह वायरस से एक महिला की मौत की पुष्टि की है। यह घटना जनवरी के अंत में उत्तरी बांग्लादेश में हुई, जिसने एक बार फिर इस घातक वायरस के खतरे को चर्चा में ला दिया है। मृतक महिला की उम्र 40 से 50 वर्ष के बीच थी। महिला में 21 जनवरी को बुखार और सिरदर्द जैसे शुरुआती लक्षण दिखे। इसके बाद उनकी स्थिति बिगड़ती गई, जिसमें अत्यधिक लार निकलना, मानसिक भ्रम और दौरे पड़ना शामिल था। लक्षणों के उभरने के एक सप्ताह बाद महिला की मृत्यु हो गई। मौत के अगले दिन जांच में उनके निपाह वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई।

जांच में पाया गया कि महिला का कोई हालिया यात्रा इतिहास नहीं था। हालांकि, उन्होंने कच्चा खजूर का रस पिया था। विशेषज्ञों के अनुसार, निपाह वायरस मुख्य रूप से चमगादड़ों द्वारा दूषित किए गए फलों या तरल पदार्थों के जरिए इंसानों में फैलता है। संपर्क ट्रेसिंगः महिला के संपर्क में आए सभी 35 लोगों की पहचान कर उन्हें निगरानी में रखा गया था। राहत की बात यह है कि उन सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। क्षेत्रीय प्रभावः भारत के पश्चिम बंगाल में भी निपाह के दो मामले सामने आने के

बाद, एशिया के कई देशों जैसे मलेशिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया और पाकिस्तान ने हवाई अड्डों पर थर्मल स्क्रीनिंग बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में इस वायरस के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलने का जोखिम कम है। इसलिए, अभी किसी भी प्रकार के यात्रा या व्यापार प्रतिबंध की सिफारिश नहीं की गई है। यह संक्रमण काफी घातक है, जिसमें मृत्यु दर 75% तक हो सकती है। यह मुख्य रूप से संक्रमित चमगादड़ों के संपर्क में आए फलों/खाद्य पदार्थों से फैलता है। यह वायरस इंसानों के बीच बहुत आसानी से नहीं फैलता। वर्तमान में इसके लिए कोई लाइसेंस प्राप्त वैक्सीन या विशिष्ट दवा उपलब्ध नहीं है। बांग्लादेश में पिछले साल (2025) भी निपाह वायरस के चार पुष्ट मामले सामने आए थे, जिनमें सभी मरीजों की जान चली गई थी। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि वे पेड़ों से गिरे फल न खाएं और खजूर के रस को अच्छी तरह उबालकर ही पिएं।

# ब्रिटेन में नीरव मोदी की ट्रायल टालने वाली याचिका खारिज

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन की हाईकोर्ट ने भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को बड़ा झटका दिया है। अदालत ने बैंक ऑफ इंडिया से जुड़े बकाया ऋण मामले में ट्रायल टालने की उनकी याचिका खारिज कर दी। नीरव मोदी ने खराब सेहत, दृष्टि हानि और जेल की परिस्थितियों का हवाला देकर सुनवाई आगे बढ़ाने की मांग की थी। अदालत ने इन दलीलों को पर्याप्त आधार नहीं माना। जज साइमन टिंकलर ने साफ कहा कि ट्रायल से आरोपी को कोई गंभीर कानूनी नुकसान नहीं होगा और उसे पूरा मौका दिया जाएगा। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि यह आवेदन देरी की कोशिशों के पैटर्न जैसा दिखता है। अब 23 मार्च से शुरू होने वाला आठ दिन का ट्रायल तय कार्यक्रम के अनुसार ही चलेगा। सुनवाई में नीरव मोदी उत्तर लंदन की

पेंटनविल जेल से वीडियो लिंक के जरिए पेश हुए। बचाव पक्ष ने कहा कि उनकी आंखों की रोशनी करीब 60 प्रतिशत तक घट गई है और वह क्लिनिकल अवसाद से पीड़ित हैं। साथ ही जेल में कानूनी दस्तावेजों तक समय पर पहुंच नहीं मिल रही। अदालत ने माना कि ये कारण ट्रायल टालने की ऊंची कानूनी कसौटी पूरी नहीं करते। यह मामला पंजाब नेशनल बैंक धोखाधड़ी केस से अलग है। नीरव मोदी मार्च 2019 से ब्रिटेन की जेल में बंद हैं और जमानत के कई प्रयास असफल रहे हैं।

# ट्रम्प बोले- बराक और मिशेल ओबामा से माफी नहीं मांगूंगा

## स्टाफ की गलती से वीडियो शेयर हुआ, पूर्व राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को बंदर दिखाया था

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया से पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा का वीडियो डिलीट कर दिया है। इस वीडियो में ओबामा और उनकी पत्नी को जंगल में प्राइमेट्स (बंदर) के रूप में दिखाया गया था। हालांकि, ट्रम्प ने शुक्रवार को सफाई देते हुए माफी मांगने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने शुरुआत देखी, वो ठीक थी।' इसके बाद उन्होंने इसे किसी स्टाफ को भेज दिया, जिन्हें पूरा वीडियो देखना चाहिए था।' ट्रम्प का दावा है कि स्टाफ ने वीडियो के अंतिम छोटे हिस्से को मिस कर दिया, जिसमें आपत्तिजनक सामग्री थी। उन्होंने कहा कि जैसे ही उन्हें इसकी जानकारी हुई, वीडियो हटा दिया गया। ट्रम्प ने स्पष्ट रूप से माफी मांगने से इनकार करते हुए कहा, 'नहीं, मैंने कोई गलती नहीं

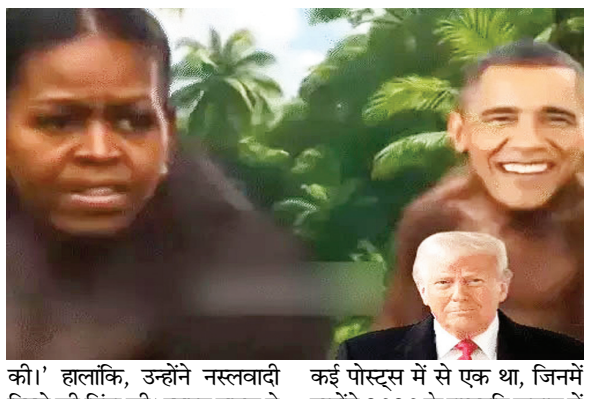

की।' हालांकि, उन्होंने नस्लवादी हिस्से की निंदा की। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह पोस्ट एक स्टाफ की गलती से शेयर हुई थी। कुछ घंटे पहले प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा था कि पोस्ट में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है। वीडियो को लेकर ओबामा ने अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी जाएगी। वीडियो में 2020 चुनाव में धांधली के आरोप लगाए गए यह वीडियो ट्रम्प के उन कई पोस्ट्स में से एक था, जिनमें उन्होंने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली का दावा किया। करीब एक मिनट के वीडियो में उन्होंने कहा किया कि 2020 के चुनाव में बैलेट गिनने वाली कंपनी डोमिनियन वोटिंग सिस्टम्स ने ट्रम्प के खिलाफ गड़बड़ी की थी। वीडियो के आखिर में कुछ सेकंड के लिए ओबामा दंपती के चेहरे बंदरों के शरीर पर दिखाए जाते हैं। उसी दौरान बैकग्राउंड में 'द लायन स्लीप्स टुनाइट' गाना बजता है। यह सीन एक अलग इंटरनेट मीम वीडियो से लिया गया था, जिसे पहले भी एक प्रभावशाली कंजर्वेटिव मीम मेकर ने फैलाया था। उस वीडियो में ट्रम्प को 'जंगल का राजा' और डेमोक्रेट नेताओं को जानवरों के रूप में दिखाया गया था।

**पूर्व एनएसए बोले- ट्रम्प अमेरिकी इतिहास का काला धब्बा :** बराक ओबामा के करीबी और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बेन रोड्स ने इसे लेकर ट्रम्प के इतिहास का काला धब्बा बताया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में अमेरिकी लोग ओबामा दंपती को सम्मानित शख्सियतों के तौर पर याद करेंगे, जबकि ट्रम्प को इतिहास के एक काले अध्याय की तरह पढ़ा जाएगा। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिका में ब्लैक हिस्ट्री मंथ चल रहा है।

# सीपीईसी तक पहुंची बलोच विद्रोह की आग, बीएलए के हमलों से चीन-पाकिस्तान परियोजनाओं का भविष्य अनिश्चित

**बीजिंग, एजेंसी।** चीनी बीआरआई की रीढ़ माना जाने वाला चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) गंभीर संकट में है। बलूचिस्तान में बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के हमलों, चीनी इंजीनियरों को निशाना बनाए जाने और पाकिस्तानी सेना की सीमित पकड़ के बीच अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक संस्थानों का आकलन है कि 5.17 लाख करोड़ रुपये से अधिक की चीनी परियोजनाएं अब सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि पूर्णतः सैन्य-सुरक्षा चुनौती बन चुकी हैं। इससे चीन-पाकिस्तान परियोजनाओं का भविष्य भी अनिश्चित हो गया है।

**बीएलए ने खारिज किया सेना का दावा, कहा-संघर्ष जारी है :**

बलूचिस्तान। पाकिस्तानी सेना द्वारा बलूचिस्तान में विद्रोहियों की गतिविधियां खत्म करने के दावे को बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दुष्प्रचार कहा। बीएलए ने कहा, उसका ऑपरेशन हेरोफ-2 शुक्रवार को लगातार सातवें दिन में प्रवेश कर चुका है और संघर्ष जारी है। बीएलए प्रवक्ता जियांद बलोच ने कहा, पाकिस्तानी सेना के किसी भी दावे को तब तक झूठा माना जाना चाहिए जब तक कि बीएलए खुद इसकी समाप्ति की घोषणा नहीं कर दे।

**चीन ने दो विकल्प रखे :** चीन ने पाकिस्तान के सामने दो विकल्प रखे हैं। पहला, सीपीईसी की पूर्ण सुरक्षा के लिए पाकिस्तान स्वयं पर्याप्त संख्या में सेना तैनात करे। दूसरा, इस्लामाबाद औपचारिक रूप से बीजिंग से अनुरोध करे कि सीपीईसी परियोजनाओं की रक्षा के लिए चीन अपनी सैन्य टुकड़ियां बलूचिस्तान भेजे। दोनों ही विकल्प संवेदनशील हैं।

# 'परमाणु कार्यक्रम पर समझौता नहीं तो गंभीर होंगे परिणाम', ओमान वार्ता के बाद ट्रंप की खुली धमकी

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** ओमान की राजधानी मस्कट में अमेरिका-ईरान परमाणु समझौते पर पहले दौर की बातचीत बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई। हालांकि दोनों ही देशों ने इस वार्ता को सकारात्मक बताया। अब अगले हफ्ते फिर से वार्ता की जाएगी। इस बीच अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त लहजे में चेतावनी दी है।

**राष्ट्रपति ट्रंप की ईरान को चेतावनी :** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस वार्ता को 'बहुत अच्छा' बताया है और अगले सप्ताह की शुरुआत में और बातचीत की योजना के बारे में कहा। साथ ही दबाव भी बढ़ाया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान परमाणु कार्यक्रम पर समझौता नहीं करता है, तो उसे 'गंभीर परिणाम' भुगतने होंगे।

दरअसल, ट्रंप प्रशासन का मुख्य उद्देश्य ईरान को जीरो न्यूक्लियर कैपेबिलिटी यानी शून्य परमाणु क्षमता की ओर ले जाना है। ईरान सिर्फ अपने परमाणु कार्यक्रम पर बात करना चाहता है, जबकि अमेरिका उसकी बैलिस्टिक मिसाइलों और क्षेत्रीय गतिविधियों को भी समझौते में शामिल करना चाहता है। ट्रंप ने ईरान को इस कार्यक्रम पर समझौता करने के लिए मजबूर करने के लिए सैन्य कार्रवाईकरने की बार-बार धमकी दी है, इससे पहले उन्होंने तेहरान को देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर की गई खूनी कार्रवाई के जवाब में इस विमानवाहक पोत को क्षेत्र में भेजा था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे और इस्लामिक गणराज्य में हजारों अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया था।

**बातचीत के बाद ट्रंप के ईरान पर नए प्रतिबंध :** ओमान में हुई बातचीत पर जब कोई ठोक नतीजा सामने नहीं आया तो नाराज राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर नए प्रतिबंध लगाए। अमेरिका ने ईरान के तेल और पेट्रोकेमिकल निर्यात से जुड़े नेटवर्क पर नई सख्त कार्रवाई की है। नए आदेश के तहत कई कंपनियों, जहाजों और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। अमेरिका के मुताबिक ईरान से जुड़े तेल कारोबार के जरिए नियमों को दरकिनार किया जा रहा था। बता दें कि ओमान हमेशा की तरह दोनों देशों के बीच पुल का काम कर रहा है। वार्ता में राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जारेड कुशनर ने किया। दोनों पक्षों के राजनयिक अब अपने-अपने देशों में मशविरा करेंगे। अगली बैठक अगले सप्ताह की शुरुआत में होने की संभावना है। वार्ता के बाद अमेरिका ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। इधर, बैठक को लेकर ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि यह एक अच्छी शुरुआत है। हमारे हमने अपने दृष्टिकोण एक-दूसरे तक पहुंचाए, जो बेहद जरूरी था। अराघची ने कहा, हमने अपनी चिंताओं, ईरानी लोगों के अधिकार और हित पर जानकारी साझा की। यह बैठक बहुत अच्छे माहौल में हुई और दूसरे पक्ष के विचारों को भी सुना गया।

# हमलों के बीच जेलेंस्की ने मानी बात, बोले- प्रदर्शन संतोषजनक नहीं

**कीव, एजेंसी।** रूस और यूक्रेन के बीच लगभग चार साल से जारी युद्ध अब और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। रूस के लगातार ड्रोन और मिसाइल हमलों से यूक्रेन की बिजली व्यवस्था चरमरा गई है, ठंड में लोग बिना हीटिंग के रहने को मजबूर हैं। हवाई रक्षा पर सवाल उठ रहे हैं और शांति वार्ता भी बेनतीजा दिख रही है। इसी बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने खुद अपने देश के वायु रक्षा प्रणाली के प्रदर्शन को कमजोर माना है। शुक्रवार उन्होंने कहा कि देश के कुछ हिस्सों में वायुसेना का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है।

उन्होंने माना कि रूस के बड़े पैमाने पर ड्रोन हमलों को रोकने में दिक्कतें आ रही हैं। जेलेंस्की ने कहा कि इन हमलों से निपटने के लिए नई रक्षा रणनीतियों पर काम किया जा रहा है। बता दें कि रूस पिछले कुछ महीनों से लगातार यूक्रेन के बिजली ढांचे को निशाना बना रहा है। इन हमलों की वजह से कई इलाकों में बिजली गुल, हीटिंग बंद और पानी की सप्लाई प्रभावित हुई है। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब यूक्रेन कड़ाके की ठंड झेल रहा है।

**जंग का पांचवां साल, लेकिन शांति की उम्मीद अब भी कम :** बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष अब पांचवें साल में प्रवेश करने वाला है। अमेरिका की कोशिशों के बावजूद अभी तक शांति की दिशा में कोई ठोस सफलता नहीं मिली है। हालांकि इन सब के बीच जेलेंस्की ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच आगे और बातचीत जल्द होगी, संभव है कि ये बैठकें अमेरिका में हों।

**एक रात में सैकड़ों ड्रोन हमले :** वहीं यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक, रूस ने एक ही

रात में 328 ड्रोन और 7 मिसाइलें दागीं। दावा किया गया कि इनमें से 297 ड्रोन मार गिराए गए। हालांकि, फिर भी नुकसान हुआ। मध्य यूक्रेन के निप्रोपेत्रोवस्क क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत हुई और दो लोग घायल हुए। जापोरिज्जिया क्षेत्र में हुए हमले में 8 लोग घायल हुए और 18 अपार्टमेंट इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। इसी हमले में एक कुत्तों का आश्रय गृह भी चपेट में आ गया, जिसमें 13 कुत्तों की मौत हो गई। 7 अन्य जानवर घायल हैं और उनका इलाज चल रहा है।

**कीव में कड़ाके की ठंड और बिना हीटिंग :** राजधानी कीव में हालात बेहद मुश्किल हैं। जेलेंस्की के अनुसार, 1,200 से ज्यादा रिहायशी इमारतों में कई दिनों से हीटिंग नहीं है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन का बिजली नेटवर्क इस सर्दी में अब तक के सबसे बड़े संकट से गुजर रहा है। 81 साल के कीव निवासी मिकोलो ट्रोम्जा ने बताया कि वे एक हफ्ते तक बिना गर्मी और पानी के रहे। उन्होंने कहा कि जब मैंने अपनी नाक छुई तो वो बर्फ जैसी ठंडी थी। खुद को गर्म रखने के लिए मैं घर में लगातार चलता रहा।

**रूस पर भी यूक्रेनी हमले :** रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसने 38 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। ब्रायंस्क क्षेत्र में कुछ गांवों की बिजली कुछ समय के लिए चली गई। बेलगोरोद शहर में यूक्रेनी हमले से बिजली संयंत्र और सबस्टेशन को नुकसान पहुंचा, जिससे कई इलाकों में बिजली बाधित हुई।

**अभी भी मोर्चे पर भीषण लड़ाई जारी :** गौरतलब है कि कड़ाके की ठंड के बावजूद दोनों देशों के बीच फ्रंट लाइन पर लड़ाई जारी है। यूक्रेन के सेना प्रमुख जनरल ओलेक्सांद्र सिर्स्की ने बताया कि युद्ध का मोर्चा अब करीब 1,200 किलोमीटर लंबा हो चुका है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के ड्रोन अब पहले से कहीं ज्यादा उन्नत हो गए हैं, जिससे सैनिकों के लिए खतरे का इलाका यानी किल जोन अब 20 किलोमीटर तक फैल चुका है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सफारी में मोबाइल ले जाने पर एफआईआर होगी

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। राजस्थान के सबसे बड़े रणथंभौर टाइगर रिजर्व समेत कुल चार टाइगर रिजर्व में रील बनाने, वीडियो शूट करने और सेल्फी लेने जैसी गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। यह कदम सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के तहत उठाया गया है, जिससे वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार में कोई बाधा न आए। सफारी के टूरिस्ट और गाइड मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। वन विभाग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए एक आदेश जारी किया है। इसके तहत टाइगर रिजर्व में पोस्टर और फ्लैक्स भी लगा दिए गए हैं। साथ ही गाइड को भी निर्देश दिए है कि वे मोबाइल फोन के रोक संबंधी आदेश के बारे में टूरिस्ट?स को भी अवगत करा दें। राजस्थान में फिलहाल चार टाइगर रिजर्व है। इनमें रणथंभौर टाइगर रिजर्व, सरिस्का टाइगर रिजर्व (अलवर), मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व (कोटा) और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व (बूंदी) शामिल हैं। धौलपुर-करौली और कुंभलगढ़ को भी टाइगर रिजर्व बनाने की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन ये अभी पूरी नहीं हो पाई है।

## ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त, कैप्टन व ट्रेनी घायल

विजयपुरा (एजेंसी)। कर्नाटक के विजयपुरा जिले के बाबलेश्वर तालुक के मंगलूर गांव में रविवार को रेड बर्ड एविएशन का निजी ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में कैप्टन और एक ट्रेनी पायलट सवार थे, दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। यह विमान कलबुर्गी से बेलगावी जा रहा था। उड़ान के दौरान इंजन में अचानक खराबी आ गई, जिससे पायलट कंट्रोल खो बैठे और खेत में क्रैश लैंडिंग हो गई। विमान सीसना 172 मॉडल का दो सीटर ट्रेनिंग प्लेन था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह विमान रेड बर्ड एविएशन कंपनी का था और ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। शुरुआती जांच में हादसे की वजह इंजन की तकनीकी खराबी सामने आई है, लेकिन दुर्घटना के सही कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चलेगा। प्रशासन और पुलिस ने साफ़ किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी जरूरी तकनीकी और कानूनी जांच की जा रही है तथा जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

## हरियाणा में नायब सरकार ने अपराधियों के आगे सरेंडर कर चुकी : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में अपराध की बढ़ती घटनाओं को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की बीजेपी सरकार की आलोचना कर राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाकर दावा किया हैं कि हरियाणा में अपराधी खुलेआम व्यापारियों से फिरौती मांग रहे हैं। उन्होंने यमुनानगर की घटना का जिक्र कर आरोप लगाया कि सैनी सरकार ने पूरे प्रदेश को अपराधियों का खेल का मैदान बना दिया है। दरअसल, यमुनानगर में दो बदमाशों ने रेलवे रोड के पास स्थित मल्टी स्पेशलिटी वरयाम अस्पताल फायरिंग की। बदमाशों ने अस्पताल के रिसेप्शन इलाके में 13 से 14 राउंड फायरिंग की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। आप नेता ढांडा ने पोस्ट में लिखा, नायब सरकार ने पूरे हरियाणा को अपराधियों का खेल का मैदान बना दिया है। यमुनानगर में अपराधी खुलेआम बेखौफ होकर गोलियां बरसा रहे हैं, जगह-जगह व्यापारियों से फिरौती मांगी जा रही है। हर दिन होती ऐसी वारदातें साफ हैं कि बीजेपी की नायब सरकार ने अपराधियों के आगे सरेंडर कर चुकी है। पोस्ट के साथ उन्होंने वीडियो साझा किया है, जिसमें 3 नकाबपोश व्यक्ति एक इमारत के अंदर प्रवेश करते दिखाई दे रहे हैं, जो संभवत: कोई कार्यालय प्रतीत हो रहा है। इसके बाद ये लोग फायरिंग करते हुए वहां से निकल जाते हैं।

## मुंबई से 100 नॉटिकल मील दूर बड़ी हलचल, कोस्ट गार्ड ने तीन संदिग्ध जहाजों को पकड़ा

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन कोस्ट गार्ड ने मुंबई के तट से लगभग 100 मील दूर एक बड़ा ऑपरेशन किया। इस ऑपरेशन से काफी हलचल मच गई। दरअसल मुंबई तट के बहुत करीब तीन बड़े जहाजों पर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ हुआ। दरअसल कोस्ट गार्ड ने मुंबई से 100 नॉटिकल मील पश्चिम में तीन संदिग्ध जहाजों को देखा। इन जहाजों पर नज़र रखी जा रही थी। इस दौरान, इंडियन कोस्ट गार्ड ने जहाजों का निरीक्षण किया और दस्तावेजों की जांच की, जिससे एक बड़ा खुलासा हुआ। जब कोस्ट गार्ड ने जहाजों का निरीक्षण किया, तो पता चला कि इन जहाजों के मालिक दूसरे देशों में बसे हुए हैं। बताया गया है कि कोस्ट गार्ड 5 फरवरी से इन जहाजों पर कड़ी नज़र रख रहा था। इसके अलावा, जहाजों पर संदिग्ध गतिविधियां हो रही थीं। फिर कोस्ट गार्ड ने जहाजों का निरीक्षण किया। पूछताछ के दौरान, यह साफ हो गया कि ये जहाज तेल की तस्करी में शामिल थे। पता चला कि ये तीनों जहाज समुद्र में अवैध रूप से तेल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों को दूसरे जहाजों में ट्रांसफर कर रहे थे। आखिरकार, शनिवार दिनांक 7 फरवरी को कार्रवाई की गई। पूछताछ के बाद, तीनों जहाजों को मुंबई बंदरगाह लाया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा, तीनों जहाजों के चालक दल के सदस्य भी भारत की हिरासत में हैं। मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि ये जहाज कहां से आए थे और मुंबई तट से कहां जा रहे थे।

## सबूतों के अभाव में अदालत ने मुजफ्फरनगर दंगा केस में 22 आरोपियों को बरी किया

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की अदालत ने 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों से जुड़े हत्या, लूट और आगजनी के एक मामले में साक्ष्यों के अभाव में 22 आरोपियों को बरी किया। शासकीय अधिवक्ता ने इसकी जानकारी दी। शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कनिष्क कुमार ने कहकर आरोपियों को बरी किया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में नाकाम रहा। उन्होंने बताया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) ने आठ सितंबर 2013 को मोहम्मदपुर रायसिंह गांव में हुई घटनाओं के संबंध में 26 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान चार आरोपियों की मृत्यु हुई। जिसके बाद शेष 22 आरोपियों के खिलाफ अभियोजन कार्रवाई जारी थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हनीफ ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि सैकड़ों दंगाइयों ने गांव में घरों पर हमला किया, संपत्ति लूटी और बाद में घरों में आग लगा दी।

# भारत-अमेरिका ट्रेड डील ऐतिहासिक, किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी

### केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा-अमेरिका ने कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ घटाकर शून्य किया

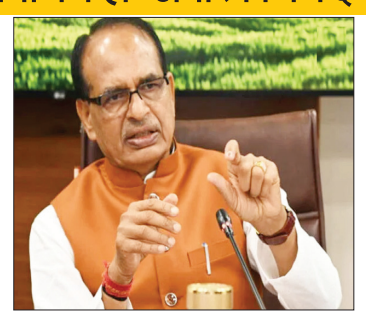

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह डील ऐतिहासिक है और पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि भारत की नीति समझौते की है, झुकने की नहीं। उन्होंने दो टूक कहा कि किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी और इस समझौते में ऐसा कोई भी उत्पाद शामिल नहीं है, जिससे भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चौहान ने साफ किया कि भारत में किसी भी प्रकार के आनुवंशिक रूप से संशोधित यानी जीएम कृषि उत्पादों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने इसे भारतीय कृषि के लिए बेहद अहम फैसला बताया और कहा कि इससे हमारी मिट्टी, हमारे बीज और कृषि की शुद्धता सुरक्षित रहेगी। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड डील में सभी संवेदनशील कृषि उत्पादों को पूरी तरह बाहर रखा गया है। सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूं, चीनी, मोटे अनाज, पोल्ट्री, डेयरी, केले, स्ट्रॉबेरी, चेरी, खट्टे फल, हरी मटर, काबुली चना, मूंग, तिलहन, इथेनॉल और तंबाकू जैसे उत्पादों पर किसी भी तरह की टैरिफ छूट नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा चिंता हमारे प्रमुख अनाजों को लेकर थी और ये सभी सुरक्षित रखे गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने साफ किया कि अमेरिका के लिए भारत ने अपने प्रमुख अनाज, फल और डेयरी उत्पादों का कोई द्वार नहीं खोला है। छिलका रहित अनाज, आटा, गेहूं, मक्का, चावल, बाजरा, आलू, प्याज, मटर, बीन्स, खीरा, मशरूम, दलहन, फ्रोजन सब्जियां, संतरे, अंगूर, नींबू और स्ट्रॉबेरी जैसे अमेरिकी कृषि उत्पाद भारत में नहीं आएंगे। इसके अलावा मिक्स डिब्बाबंद सब्जियों को भी भारत में अनुमति नहीं दी जाएगी। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि दुग्ध उत्पादों में भी भारत ने अपनी सीमाएं स्पष्ट कर दी हैं। अमेरिका से लिक्विड दूध, मिल्क पाउडर, क्रीम, योगर्ट, बटरमिल्क, मक्खन, घी, बटर ऑयल, पनीर और चीज को भारत में प्रवेश नहीं मिलेगा। इससे भारतीय डेयरी सेक्टर और किसान परिवारों की आजीविका पूरी तरह सुरक्षित रहेगी।

चौहान ने कहा कि इस समझौते के तहत भारतीय किसानों के कृषि उत्पादों को अमेरिका में शून्य शुल्क पर निर्यात किया जाएगा, जबकि अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में ऐसी कोई रियायत नहीं दी गई है। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ 50 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि मसालों के निर्यात में भारत ने बड़ी छलांग लगाई है। भारत के मसाला निर्यात में 88 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और भारतीय मसाले व मसाला उत्पाद दुनिया के 200 देशों तक पहुंच रहे हैं। 2024-25 में भारत का कुल निर्यात 4.45 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने साफ कहा था कि देश को झुकने नहीं देंगे और किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड डील में दोनों बातों का पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में अब तक 9 फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हो चुके हैं। अमेरिका के अलावा यूएई के 27 देश, ओमान, न्यूजीलैंड और यूके के साथ भारत एफटीए कर चुका है, जबकि अन्य देशों से बातचीत चल रही है। चौहान ने कहा कि इन सभी समझौतों का फायदा भारतीय अर्थव्यवस्था, किसानों, मजदूरों, गरीबों, निर्यातकों और निर्माताओं को मिलेगा और 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ये मील का पत्थर साबित होंगे।

कृषि मंत्री ने कहा कि टेक्सटाइल सेक्टर में भारत का टैरिफ अब प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले काफी कम होकर 18 फीसदी रह गया है। इससे कपास किसानों, टेक्सटाइल निर्माताओं, जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर, ऑटो कंपोनेंट्स, इंजीनियरिंग गुड्स को नई गति मिलेगी, साथ ही महिला स्वयं सहायता समूहों की आजीविका भी इस समझौते से मजबूत होगी।

## रील का जुनून : बांदा में फंदा लगाकर वीडियो शूट करते समय महिला की मौत

बांदा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में सोशल मीडिया पर रील बनाने के चक्कर में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। वायरल होने की चाहत में अपनी जान जोखिम में डालना एक महिला के लिए जानलेवा साबित हुआ। मामला बबेरू कोतवाली कस्बे के करूड्या पुरवा का है, जहां 27 वर्षीय मोहिनी नाम की महिला रील के लिए फांसी का सीन रिकॉर्ड कर रही थी, लेकिन तभी अचानक फंदा कस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मोहिनी को सोशल मीडिया पर रील बनाने का काफी शौक था और वह अक्सर नए-नए तरीकों से वीडियो शूट करती रहती थी। जिस समय यह घटना हुई, महिला का पति जगदीश काम के सिलसिले में घर से बाहर गया हुआ था। अकेलेपन का फायदा उठाकर मोहिनी ने रील बनाने की योजना बनाई। उसने छत के हुक पर रस्सी डालकर फांसी का एक फंदा तैयार किया और सामने मोबाइल कैमरा सेट कर वीडियो रिकॉर्डिंग शुरू कर दी। अभिनय के दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और गले में पड़ा फंदा वास्तव में कस गया। मोहिनी ने खुद को बचाने की काफी जद्दोजहद की, लेकिन फंदा कसता चला गया और दम घुटने से उसकी जान चली गई। हादसे का पता तब चला जब महिला की 4 वर्षीय बेटी कमरे में पहुंची। अपनी मां को फंदे पर लटका देख वह बुरी तरह डर गई और जोर-जोर से चीखने-चिल्लाने लगी। बच्ची की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और पड़ोसी मौके पर पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के आला अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती जांच में मामला रील बनाने के दौरान हुए हादसे का लग रहा है, क्योंकि मौके पर मोबाइल कैमरा रिकॉर्डिंग मोड में मिला था। हालांकि, पुलिस हत्या और आत्महत्या समेत अन्य सभी पहलुओं पर भी गहनता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

## जरूरतमंद कन्याओं को दिया शादी का सामान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,मैत्री ग्रुप द्वारा जरूरतमंद कन्याओं को शादी का सामान उपहार में दिया गया। ग्रुप ने बताया की हम सभी ने एक परिवार के रूप में जरूरतमंद कन्याओं को कन्यादान के रूप में कपड़े, लहंगा, गृहस्थी का समान, बेड आदि दिए। इस मौके पर ग्रुप के अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं। महिलाओं के इस ग्रुप द्वारा समय-समय पर अनाथ आश्रम, वृद्धाश्रम, प्रेग्नेंट महिलाओं की सेवा आदि किया जाता है।

# एसआईआर के नाम पर मुस्लिम मतदाताओं का वोट काटा जा रहा: अखिलेश यादव

**लखनऊ (एजेंसी)।** समाजवादी पार्टी अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एसआईआर को लेकर एक प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने बीजेपी, चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर जमकर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि एसआईआर के माध्यम से बिहार का चुनाव जीता गया है। अब पश्चिम बंगाल में लगातार यही कोशिश हो रही है। इसकारण बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बीजेपी की काली करतूत को उजागर करने के लिए काला कोट पहनकर सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा।

प्रेसवार्ता में सपा अध्यक्ष अखिलेश अपने साथ सुल्तानपुर निवासी नंदलाल को भी लेकर आए थे। उन्होंने चुनाव आयोग और बीजेपी पर आरोप लगाकर कहा कि नंदलाल से बीजेपी ने एसआईआर का फॉर्म 7 भरा लिया। बीजेपी पर हमला बोलकर अखिलेश यादव ने कहा कि द्वापर और त्रेता के नाम वाले लोगों, दशरथ और नंदलाल से हमें बहुत मदद मिल गई। बता दें कि नंदलाल अंगूठा लगाते हैं। इसके बाद बीजेपी ने इनके फर्जी दस्तखत कर फॉर्म भरवा दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की तरफ से नंदलाल को 1 लाख रुपये का इनाम दिया गया है। हमारी मांग है कि चुनाव आयोग फॉर्म 7, जिससे नाम पर आपत्ति दर्ज होती है भरवाना तुरंत बंद करे।

अखिलेश ने कहा कि आयोग को सिर्फ फॉर्म-6 नाम जोड़ने वाले फॉर्म ही भरवाने चाहिए। नंदलाल के नाम पर 26 फॉर्म-7 भरे गए थे। एसआईआर के जरिए चुनाव आयोग द्वारा जानबूझकर मुस्लिम मतदाताओं का वोट काटा जा रहा है। इसलिए मैं कह रहा हूं कि यह एसआईआर, नहीं एनआरसी है।

इसके पहले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि बीजेपी एक समुदाय के कुछ लोगों का इस्तेमाल उसी समुदाय के खिलाफ करती है। वहीं जब विवाद बढ़ जाता है, तब वह दिखावे के लिए नकली कार्रवाई का नाटक करती है। आपको बता दें कि अखिलेश के ये बयान जाहिर तौर पर घूसखोर पंडित नाम की एक फिल्म को लेकर हुए विवाद के बारे में थे। जो एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है।

# मौसम में बड़े बदलाव के संकेत, उत्तर भारत में बारिश-बर्फबारी और कोहरे का अलर्ट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के विभिन्न हिस्सों में अगले कुछ दिनों के दौरान मौसम का मिजाज एक बार फिर करवट लेने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ, चक्रवाती परिसंचरण और सब-ट्रॉपिकल पश्चिमी जेट स्ट्रीम के सक्रिय होने से देश के कई राज्यों में मौसम की गतिविधियों में बदलाव देखा जाएगा। इसके प्रभाव से कहीं तेज हवाएं चलेंगी, तो कहीं बारिश और बर्फबारी का दौर शुरू होगा।

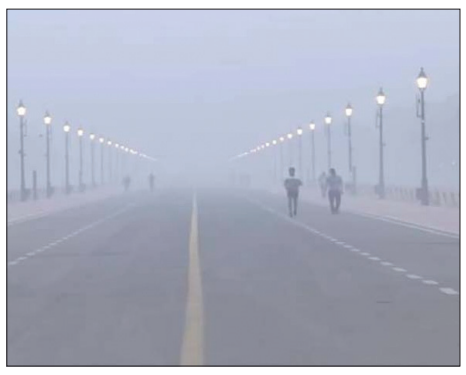

मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि उत्तर-पश्चिम भारत में अगले दो से तीन दिनों तक 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवाएं चलने की संभावना है। इसके साथ ही पहाड़ी इलाकों में सुबह और रात के समय घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे दृश्यता कम हो सकती है और सड़क व हवाई यातायात पर असर पड़ सकता है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 9 से 11 फरवरी के बीच मौसम बिगड़ने के आसार हैं। एक नया पश्चिमी विक्षोभ 8 फरवरी की रात से सक्रिय हो रहा है, जिसके प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। 10 फरवरी को इन राज्यों के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी हो सकती है। इस दौरान मौसम विभाग ने गरज-चमक, बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी आशंका जताई है। पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को ऊंचे इलाकों में जाने से बचने की सलाह दी गई है। उत्तर भारत के कुछ राज्यों में घने कोहरे और कोल्ड डे (ठंडा दिन) जैसी स्थिति बनी रह सकती है। विशेष रूप से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के मैदानी व घाटी वाले इलाकों में सुबह और रात के समय विजिबिलिटी काफी कम रह सकती है। कोहरे के कारण लंबी दूरी की ट्रेनों और उड़ानों के समय में भी देरी होने की संभावना है।

### दिल्ली-एनसीआर में कैसा रहेगा हाल?

राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में फिलहाल मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है। रविवार को आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा, हालांकि सुबह के समय हल्की धुंध महसूस की जा सकती है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। आने वाले पूरे हफ्ते में दिल्ली-एनसीआर में किसी बड़े मौसमी उलटफेर की संभावना नहीं है, लेकिन सुबह और शाम की ठंड बरकरार रहेगी। न्यूनतम तापमान को लेकर आईएमडी का कहना है कि उत्तर-पश्चिम भारत में अगले दो दिनों तक पारे में कोई खास गिरावट या बढ़ोतरी नहीं होगी। हालांकि, इसके बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि देखी जा सकती है। मध्य भारत में भी दो दिनों के बाद न्यूनतम तापमान बढ़ने के आसार हैं, जबकि पूर्वी भारत में अगले चार दिनों तक तापमान स्थिर रहने के बाद धीरे-धीरे बढ़ेगा। कुल मिलाकर, फरवरी का दूसरा सप्ताह देश के उत्तर और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों के लिए मिश्रित मौसमी प्रभाव वाला रहने वाला है।

# सांसद पप्पू यादव और उनके समर्थकों के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज

### -गिरफ्तारी के समय सांसद के समर्थकों और पुलिस के बीच हुई थी तीखी नोकझोंक

**पटना (एजेंसी)।** बिहार के पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और उनके समर्थकों के खिलाफ बुद्धा कॉलोनी थाना में एक और एफआईआर दर्ज की गई। यह मामला सरकारी कार्य में बाधा डालने और पुलिस कार्रवाई में रुकावट को लेकर दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर रात पुलिस सांसद पप्पू यादव को गिरफ्तार करने उनके घर पहुंची थी, लेकिन उस दौरान उन्होंने गिरफ्तारी देने से इनकार कर दिया। इस दौरान सांसद के समर्थकों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई थी। हालात बिगड़ते देख सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालते हुए बाद में पप्पू यादव को गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। जहां से पीएमसीएच शिफ्ट किया गया था। जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई होना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पप्पू यादव की पटना में आधी रात को हुई गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार को पूर्णिया में जन अधिकार पार्टी के

कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर जाप कार्यकर्ताओं ने शहर में मशाल जुलूस निकाला और पप्पू यादव को अविलम्ब रिहा करने की मांग की। जन अधिकार पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष बबलू भगत ने कहा कि सरकर विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती है। सांसद पप्पू यादव लगातार सदन में आम जनता की आवाज उठाते हैं। पीड़ितों को न्याय दिलाते हैं, लेकिन सरकार को यह हजम नहीं होता। सांसद पप्पू यादव पूर्णिया के 25 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यहां की जनता इससे बर्दाश्त नहीं करेगी।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के मामले में कहा कि हर चीज को इतना बड़ा चढ़ा कर पेश करना कि हर चीज में साजिश हो रही है जान से मारने यह नॉर्मल एक प्रक्रिया का हिस्सा है। क्या कोई किसी सांसद को ऐसे ही नहीं गिरफ्तार कर सकता है। यकीनन कहीं ना कहीं कुछ तथ्य सामने आए होंगे। कुछ ऐसे प्रमाण मिले होंगे जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई है। पप्पू यादव के मामले में राहुल गांधी के समर्थन करने पर एनडीए की सरकार में एक बात स्पष्ट है अगर कोई दोषी है तो वह बक्शा नहीं जाएगा। अगर कोई बेगुनाह है तो उसके ऊपर कोई आंच नहीं आएगी।

बता दें पप्पू यादव को 31 साल पुराने केस में बेल टूटने पर गिरफ्तार किया गया। दरअसल, पटना के शास्त्री नगर थाने में साल 1995 केस दर्ज किया गया था। यह केस विनोद बिहारी लाल ने दर्ज कराया था। बार-बार बुलाने के बाद भी पप्पू यादव और दो अन्य अभियुक्त कोर्ट नहीं आ रहे थे। आरोप था कि पप्पू यादव 1994 में जब पहली बार सांसद बने थे। तब इन्होंने पटना में ऑफिस बनाने के लिए एक मकान किराए के लिए लिया था। रहने के नाम पर और उसमें ऑफिस बनाया।

# वायुसेना की शक्ति में ऐतिहासिक इजाफा: 3.25 लाख करोड़ के राफेल सौदे पर मुहर!

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय वायुसेना अपनी मारक क्षमता को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। अत्याधुनिक राफेल विमानों की सफलता के बाद अब 114 अतिरिक्त राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद प्रक्रिया ने गति पकड़ ली है। रक्षा गलियारों से मिल रही जानकारी के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के आगामी भारत दौरे से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की एक महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है। इस बैठक में लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले इस महा-प्रोजेक्ट को अंतिम मंजूरी मिल सकती है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदली हुई परिस्थितियों में भारत अपने रक्षा क्षेत्र को अभूतपूर्व तेजी से मजबूत कर रहा है।

आगामी 18 से 20 फरवरी तक भारत में आयोजित होने वाली एआई समिट में राष्ट्रपति मैक्रों की भागीदारी के दौरान इस सौदे को अंतिम रूप दिया जा सकता है। प्रस्तावित योजना के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट के तहत कुल 114 विमानों में से 18 विमान फ्लाई अवे यानी पूरी तरह तैयार स्थिति में फ्रांस से सीधे भारत आएंगे। वहीं, शेष विमानों का बड़ा हिस्सा मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत में ही निर्मित किया जाएगा। रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 60 से 80 फीसदी विमानों का निर्माण भारतीय धरती पर होगा, जिसमें फ्रांसीसी कंपनी दसॉ और भारतीय निजी क्षेत्र की कंपनियां मिलकर काम करेंगी। इस बेड़े में 88 सिंगल सीटर और 26 ट्विन सीटर विमान शामिल होने की संभावना है। रक्षा खरीद बोर्ड से हरी झंडी मिलने के बाद अब यह मामला अगले स्तर की मंजूरी के करीब है, जिसके बाद तकनीकी और वाणिज्यिक स्तर पर औपचारिक बातचीत का दौर शुरू होगा।

रक्षा क्षेत्र में यह निवेश भारत की दूरगामी रणनीति का हिस्सा है। चालू वित्त वर्ष में रक्षा मंत्रालय के लिए 7.85 लाख करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट आवंटित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। यह कुल सकल घरेलू उत्पाद का 1.99 प्रतिशत है। इस बजट में सेनाओं के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया गया है, जिसके लिए 1.85 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों, विशेषकर पड़ोसी देशों के बीच बढ़ती नजदीकियों और सीमा पर उभरते नए समीकरणों को देखते हुए भारत के लिए अपनी वायु शक्ति को बढ़ाना अनिवार्य हो गया है। इस डील के पूरा होने के बाद भारतीय वायुसेना के पास राफेल विमानों की कुल संख्या 176 हो जाएगी, जो किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच प्रदान करेगी। सरकार न केवल हथियारों की खरीद पर, बल्कि अनुसंधान और विकास पर भी निवेश बढ़ा रही है। इस बार अनुसंधान के लिए 17,250 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। साथ ही, रक्षा पेंशन के लिए भी बजट बढ़ाकर 1.71 लाख करोड़ रुपये किया गया है। यह निवेश और राफेल जैसा रणनीतिक सौदा यह स्पष्ट करता है कि भारत अब रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के साथ-साथ तकनीकी श्रेष्ठता के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों की श्रेणी में अपनी जगह पक्की कर रहा है।